RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 114 ● भिलाई, गुरुवार 06 नवम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर अवैध ढाबों पर चला प्रशासन का डंडा

जोधपुर। जोधपुर में हुए भीषण सड़क हादसे के बाद आखिरकार प्रशासन हरकत में आया है। भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर पसरी लापरवाही और अंधेरगर्दी का नंगा सच सामने आने के बाद अब अवैध ढाबों पर एक्शन तेज हो गया है। खास खबर डॉट कॉम की टीम जब मौके पर पहुंची, तो जो दृश्य सामने आया उसने एक्सप्रेस-वे पर चल रहे प्रबंधन की पोल खोलकर रख दी। दुर्घटनाओं का 'हाईवे ऑफ हॉरर' = एक्सप्रेस-वे पर मौतें थम नहीं रहीं अमृतसर से जामनगर तक फैले इस हाई-टेक नेशनल हाइवे पर पिछले दो साल में दुर्घटनाओं का सिलसिला नहीं थमा है। रविवार देर शाम मतोड़ा के पास हुए दिल दहला देने वाले हादसे में 15 लोगों की मौत ने पूरे सिस्टम को झकझोरकर रख दिया है। भारतमाला एक्सप्रेस-वे को देश के सबसे आधुनिक रास्तों में गिना जाना था, लेकिन जिस तेज़ी से यहां सुविधाएं विकसित होनी थीं, वह सिर्फ कागजों में ही आगे बढ़ती दिखीं। जमीन पर स्थितियां बिल्कुल उलट, बल्कि खतरनाक हैं। सुविधाएं विकसित नहीं हुई—इस खालीपन को भरने के लिए स्थानीय लोगों ने एक्सप्रेस-वे के पास खेतों में धड़ल्ले से अवैध ढाबे, ठेले और डीजल की अवैध बिक्री तक शुरू कर दी।

होटल में छापेमारी कर नाबालिग सहित दो महिलाओं को तस्करी के जाल से मुक्त कराया गया

कोलकाता। कोलकाता पुलिस की एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) ने एक बड़े तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस मामले में दो महिलाओं को मुक्त कराया गया, जबकि पांच की गिरफ्तारी हुई है। उल्टाडांगा थाना क्षेत्र के होटल मैजेस्टिक इन में 30 अक्टूबर को की गई छापेमारी में एक लगभग 15 वर्षीय नाबालिग लड़की और एक 24 वर्षीय वयस्क महिला को यौन शोषण के जाल से बचाया गया। पुलिस ने एक महिला तस्कर सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि होटल को ताला लगाकर सील कर दिया गया। मामला बीएनएस और पोक्सो एक्ट की धारा, साथ ही अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम (आईएमटी) की धारा और 7 के तहत दर्ज किया गया है।

राज्योत्सव पर वायु सेना की टीम का रोमांचक एयर शो

आसमां में गूंजा-जय जोहार और छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया...

■ उप राष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन, राज्यपाल श्री रमेन डेका, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने देखा एयर शो

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर आज नवा रायपुर के सेंध जलाशय के ऊपर भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित एरोबेटिक सूर्यकिरण की टीम ने रोमांचक एयर शो का प्रदर्शन किया। देश के उप राष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन, राज्यपाल श्री रमेन डेका, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के साथ हजारों लोगों ने अद्भुत और रोमांचक एयर शो का आनंद लिया। आज प्रदेशवासियों के लिए वायु सेना का एयर शो कमाल का अनुभव रहा। सेंध जलाशय के ऊपर वायु सेना के फाइटर प्लेन्स ने एक के बाद एक कई हवाई करतब दिखाए। आसमान में पंछियों के झुंड की तरह बिल्कुल क्रम से उड़ने वाले फाइटर प्लेन्स के माध्यम से वायु सेना के जाबांजों ने अपने नियंत्रण और शौर्य का अद्भुत प्रदर्शन किया। विमानों के माध्यम से जब आकाश में तिरंगा लहराया तो सेंध जलाशय भारत माता की जय के नारे से गूंज उठा। एयर शो के दौरान सूर्यकिरण टीम के लीडर

ग्रुप कैप्टन श्री अजय दशरथी ने आसमान से छत्तीसगढ़वासियों को रजत महोत्सव की बधाई दी। वहीं छत्तीसगढ़ निवासी भारतीय वायु सेना के स्क्वाड्रन लीडर श्री गौरव पटेल ने सेंध जलाशय के ऊपर अपने कॉकपिट से 'जय जोहार' और 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' कहकर दर्शकों का अभिवादन किया। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, कौशल विकास मंत्री गुरू खुशवंत साहेब और सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल सहित विभिन्न निगमों, मंडलों और आयोगों के पदाधिकारी भी एयर शो देखने पहुंचे थे। सूर्यकिरण टीम ने अनुशासन, परस्पर विश्वास, सटीकता और उत्साह के साथ एक घंटे तक वायु सेना के विमानों के साथ कलाबाजी दिखाकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। नवा रायपुर के सेंध जलाशय में मौजूद हजारों दर्शक पायलटों के हैरतअंगेज साहस और करतबों को देखकर मंत्रमुग्ध होते रहे। विंग कमांडर श्री ए.व्ही. सिंह के नेतृत्व में वन-एफ-9 और वन-एफ-8 हेलीकॉप्टर यूनिट ने वी-17 और वी-5 हेलीकॉप्टरों से स्लीपरी और स्काई-ऑपरेशन के करतब दिखाए।

कैसे-कैसे करतब दिखाए

एयर शो में सूर्यकिरण की टीम के नौ हॉक-मार्क-123 फाइटर विमानों ने आसमान में हार्ट, डायमंड, लूप, ग्रोवर, डान लाइट, कॉम्बैट तेजस जैसे शानदार फार्मेशन बनाकर लोगों को रोमांचित किया। नीले आसमान में उड़ते लाल-सफेद जेट विमानों द्वारा तिरंगे की आकर्षक ट्रेल छोड़ने पर सेंध जलाशय परिसर तालियों और जय-हिंद के नारों से गूंज उठा। हज़ारों की संख्या में मौजूद नागरिक, युवा और बच्चे लगातार विमानों की कलाबाजियों को अपने कैमरों और मोबाइलों में कैद करते रहे।

राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी लगाया पर बड़ा आरोप

राहुल गांधी देश में अराजकता फैलाने की कोशिश रहे-राजनाथ

पटना/ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को बांका में चुनावी सभा में आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। क्योंकि, उन्होंने सशस्त्र बलों में आरक्षण की मांग की है। बिहार के जमुई जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि राहुल जी को क्या हो गया है? वे रक्षा बलों में आरक्षण का मुद्दा उठा रहे हैं। वह देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। हमारी सेनाएं इन सब चीजों से ऊपर हैं। रक्षा मंत्री ने बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी

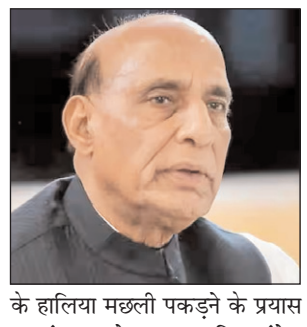

के हालिया मछली पकड़ने के प्रयास पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस नेता के पास अब कोई चारा नहीं बचा है, इसलिए उन्हें तालाब में कूदना पड़ा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को समझना चाहिए कि देश चलाना बच्चों का खेल नहीं है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गई प्रतिघाती कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए सशस्त्र बलों की सराहना की। राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया है, बंद नहीं किया गया। अगर आतंकवादी फिर से भारत पर हमला करने की कोशिश करेंगे, तो हम कड़ी कार्रवाई करेंगे। भारत किसी को उकसाता नहीं है। लेकिन अगर कोई हमें उकसाएगा तो हम उसे बख्शेंगे नहीं। रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल के शासनकाल में लोगों को डराया-धमकाया जाता था। कांग्रेस ने कभी नहीं चाहा कि सीमा क्षेत्रों में बेहतर सड़कें बनें।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने की ड्रोन व युद्धक तैयारियों की समीक्षा

नई दिल्ली। थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी लगातार सैन्य तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। बीते दिनों कई सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा कर चुके सेना प्रमुख ने अब ड्रोन तैयारियों, प्रशिक्षण में नवाचार समेत विभिन्न विषयों का निरीक्षण किया। दरअसल थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने खड़गा कोर का दौरा किया है। यहां उन्होंने ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्हें युद्धक क्षमता को सुदृढ़ करने, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के एकीकरण, अंतर-एजेंसी समन्वय को बढ़ाने तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़ी पहलों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। गौरतलब है आधुनिक युद्धों के तौर तरीके व तकनीक लगातार बदल रही है।

सीएम योगी का बड़ा बयान

गरीबों की जमीन कब्जाने वालों को लेने के देने पड़ेंगे ही-योगी

लखनऊ। एजेंसी

लखनऊ के डालीबाग में माफिया मुख्तार अंसारी के कब्जे से खाली कराई गई जमीन पर आठ करोड़ की लागत से बनाए गए 72 फ्लैटों की योजना के लोकार्पण और लाभार्थियों को आवंटन पत्र वितरण के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बड़ा बयान दिया। बुधवार को उन्होंने कहा, जो गरीबों, सार्वजनिक और सरकारी जमीन पर कब्जा करेगा। उसको लेने के देने पड़ ही जाएंगे। यह उनके लिए साफ संदेश है जो सत्ता में रहते माफिया को गले लगाते हैं

और मरने के बाद उसकी कब्र पर फातिहा पढ़ने जाते हैं। माफिया किसी का नहीं होता है। जो संरक्षण देते हैं वह समझ लें कि अब उत्तर प्रदेश में माफिया राज नहीं चलेगा। कांग्रेस और सपा के शासन में कुकरैल और गोमती के किनारे कब्जा कराया गया। मॉल बनाए गए। सीएम योगी ने कहा, 2017 में प्रदेश की जिम्मेदारी संभालने के बाद माफिया पर शिकंजा कसना शुरू किया तो ऐसे-ऐसे लोग पैराकारी में उतर आए जो जनता का हितैषी होने की बात करते हैं, उनसे कहूंगा कि वह ऐसा करके अपने पैरों पर कल्हाड़ी मार रहे हैं। जो बहन बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ करेगा। गरीबों की जमीन पर कब्जा करेगा। व्यापारियों का अपहरण करेगा। उसका यही हाल होगा। माफिया उखड़ेगा नहीं बल्कि उसको उखाड़ना होगा। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा।

रेल मंत्री के हाथ बंधे

पीएम मोदी को देना चाहिए इस्तीफा-महंत

बिलासपुर। बिलासपुर में मंगलवार को हुए रेल हादसे में घायलों का हाल जानने सिम्स अस्पताल पहुंचे नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने घायलों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अफसरो से घटना के बारे में जानकारी ली। नेता प्रतिपक्ष ने रेल हादसे को लेकर मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। मंहत ने तो यहां तक कहा कि रेल मंत्री को काम नहीं करने दिया जाता उसके हाथ बंधे हैं। हादसे के लिए जिम्मेदार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। आगे नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने कहा कि मौत के

आंकड़ों को छुपाया जा रहा, मेरी जानकारी में मौत के आकंड़े 20 हैं। जहां जिसका प्रशासन है,मौत के आंकड़े छुपाने की कोशिश करता है, ताकि उनको मुआवजा न देना पड़े। रेलवे की तरफ से कोयला व अन्य खनिज गाड़ियों को प्राथमिकता दी जा रही है।

मेहुल ने बेल्जियम के सुप्रीम कोर्ट में दी फैसले को चुनौती

नई दिल्ली। 13,000 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक घोटाला मामले में भारत को बड़ा झटका लगा है। भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी ने बेल्जियम के सुप्रीम कोर्ट में अपने प्रत्यर्पण के फैसले को चुनौती दे दी है, जिससे उसके भारत लाए जाने की प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लग गई है। चोकसी ने 30 अक्टूबर को बेल्जियम के 'कोर्ट ऑफ कैसेशन' (सुप्रीम कोर्ट) में यह अपील दायर की। उसने एंटवर्प की अपीलीय अदालत के 17 अक्टूबर के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध को 'लागू करने योग्य' माना गया था। एंटवर्प की अपीलीय अदालत ने 17 अक्टूबर को अपने फैसले में जिला अदालत के 29 नवंबर, 2024 के आदेश को सही ठहराया था।

रेलवे ने इस हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी

सिग्नल फेल या ड्राइवर की गलती से हुआ बिलासपुर हादसा ? रेलवे की सुरक्षा पर खड़े हुए बड़े सवाल...

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में एक बड़ा रेल हादसा हुआ। गतौरा रेलवे स्टेशन के पास खड़ी मालगाड़ी में तेज रफ्तार पैसेंजर ट्रेन का इंजन जा घुसा। हादसा लाल खदान इलाके में मंगलवार देर शाम हुआ। इसमें 11 यात्रियों की मौत हो गई और करीब 20 लोग घायल हो गए। मौके पर राहत और बचाव अभियान चलाया गया, जो रात मंगलवार तक जारी रहा। रेलवे ने इस हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। जानकारों ने सिग्नल, टर्न, स्पीड या फिर इमरजेंसी ब्रेक लगाने को हादसे की वजह बताई है। दरअसल,मंगलवार शाम 4 बजे

के करीब गोंदिया-कोरबा पैसेंजर ट्रेन बिलासपुर की ओर तेज रफ्तार में जा रही थी। इस बीच गतौरा रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी खड़ी थी, तभी गोंदिया-कोरबा पैसेंजर ट्रेन ने मालगाड़ी को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि अचानक ब्रेक लगने की आवाज और फिर जोरदार धमाका सुना। कई यात्रियों ने खिड़कियों से कूदकर अपनी जान बचाई, जबकि राहत दलों ने गैस कटर की मदद से बोगियां काटकर फंसे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में 11 यात्रियों की मौत हो गई और करीब 20 घायल हुए हैं। रेलवे ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। कमिश्नर ऑफरेलवे सेफ्टी इसकी जांच कर रहे हैं। रेल मंत्री ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये, गंभीर घायलों को 5 लाख और सामान्य घायलों को 50 हजार रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है। वहीं, छत्तीसगढ़ सरकार ने भी मृतकों के परिजनों को 5 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। रेलवे विशेषज्ञों का कहना है कि, बिलासपुर रेल हादसे की शुरुआती जांच में ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम में तकनीकी खराबी को एक संभावित कारण माना जा रहा है।

हरियाणा में 25 लाख वोट चोरी

बिहार में भी यही होगा...राहुल गांधी ने 'एच फाइल्स' शेयर करके लगाए फिर से ईसी पर गंभीर आरोप.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और 'वोट चोरी' के ताज़ा आरोप में 'एच फाइल्स' साझा कीं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 25,41,144 लाख वोट चोरी के मामले सामने आए हैं। राहुल गांधी ने कहा, हमारे पास 'एच' फाइल्स शब्द है और यह इस बारे में है कि कैसे एक पूरे राज्य को चुरा लिया गया। हमें शक था कि यह किसी एक निर्वाचन क्षेत्र में नहीं, बल्कि राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर हो रहा है। हमें हरियाणा में अपने उम्मीदवारों से बहुत सारी शिकायतें मिलीं कि कुछ गड़बड़ है और काम नहीं कर रहा है। उनके सारे अनुमान उलट गए। हमने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में भी ऐसा ही अनुभव किया था, लेकिन हमने हरियाणा पर ध्यान केंद्रित करने और वहाँ जो हुआ उसके बारे में विस्तार से जानने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि सभी (एग्जिट) पोल कांग्रेस की जीत (हरियाणा में) की ओर इशारा कर रहे थे और दूसरी बात जो हमारे लिए आश्चर्यजनक थी, वह यह थी कि

हरियाणा के चुनावी इतिहास में पहली बार डाक से वोट वास्तविक मतदान से अलग थे। उन्होंने कहा हरियाणा में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। इसलिए, हमने सोचा कि आइए विस्तार से बात करते हैं। जब मैंने पहली बार यह जानकारी देखी, जो आप देखने जा रहे हैं, तो मुझे यकीन नहीं हुआ। मैं सदमे में था... मैंने टीम को कई बार दोबारा जाँच करने के लिए कहा। राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें पूरा यकीन है कि कांग्रेस की भारी जीत को हार में बदलने की एक योजना बनाई गई थी। उन्होंने कहा मैं चाहता हूँ कि भारत के युवा, जेनरेशन जेड इसे अच्छी तरह समझ लें क्योंकि यह आपके भविष्य का सवाल है...मैं चुनाव आयोग और भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा हूँ, इसलिए मैं इसे 100त्न सबूतों के साथ कर रहा हूँ। हमें पूरा यकीन है कि कांग्रेस की भारी जीत को हार में बदलने की एक योजना बनाई गई थी...कृपया उनके (मुख्यमंत्री नायब सैनी) चेहरे पर मुस्कान और उस 'व्यवस्था' पर ध्यान दें जिसकी वह बात कर रहे हैं। चुनाव के दो दिन बाद, हर कोई कह रहा है कि कांग्रेस चुनावों में भारी जीत हासिल कर रही है। 1 सितंबर को, राहुल गांधी ने भाजपा को एक आसन्न खुलासे की चेतावनी देते हुए कहा कि वह जल्द ही वोट चोरी के अपने आरोपों पर एक हाइड्रोजन बम छोड़ेंगे, क्योंकि महादेवपुरा के बारे में जो दिखाया गया वह सिर्फ़ एक परमाणु बम था।

धीरेंद्र शास्त्री का बड़ा बयान

इस देश में 'गजवा-ए-हिंद नहीं,' भगवा-ए-हिंद' होगा

नई दिल्ली। आध्यात्मिक गुरु और बागेश्वर धाम सरकार के प्रमुख आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने कवि कुमार विश्वास के साथ बुधवार को उत्तरकाशी के बड़कोट में यमुना नदी के किनारे पूजा-अर्चना की। इस दौरान, उन्होंने नदी की शुद्धता पर चिंता जताते हुए एक बड़ी 'सनातन हिंदू एकता पदयात्रा' की घोषणा की। यमुना तट पर पूजा के बाद, आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने नदी की शुद्धता देखकर हैरानी जताई और ब्रज क्षेत्र तथा दिल्ली (इंद्रप्रस्थ) में इसके प्रदूषित रूप पर दुख व्यक्त किया। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, 'यहां, मां यमुना का पानी सोने जैसा एकदम शुद्ध है। मां यमुना का यह

रूप देखकर, मुझे हैरानी हुई कि ऐसी पवित्रता ब्रज क्षेत्र और दिल्ली में क्यों नहीं मिलती। यह देखकर मेरा दिल बैठ गया।' उन्होंने यमुना को उसके मूल शुद्ध रूप में वापस लाने के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। आध्यात्मिक गुरु आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने हिंदू एकता के उद्देश्य से एक बड़ी पदयात्रा की घोषणा की है।

प्रकाश पर्व पर सिख समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन

भाटापारा। प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर सिख समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। नगर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का वातावरण व्याप्त रहा। शोभायात्रा का नगरवासियों द्वारा श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया तथा गुरु नानक देव जी के चरणों में मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। गुरु नानक देव का जीवन संदेश सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके उपदेश जहाँ प्रेम है, वहीं परमात्मा है, जहाँ सेवा है, वहीं सच्ची भक्ति है। समाज में एकता, करुणा और सेवा भावना को जागृत करते हैं। प्रकाश पर्व के इस पावन अवसर पर सभी से आह्वान किया गया कि वे गुरु नानक देव के उपदेशों को अपने जीवन में अपनाकर समाज में प्रेम, सदभावना और सेवा की भावना को सशक्त करें। इस अवसर पर शिवरतन शर्मा एवं नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने भी शोभायात्रा में सम्मिलित होकर श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मत्था टेक आशीर्वाद प्राप्त किया तथा नगरवासियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने कहा कि गुरु नानक देव जी का जीवन दर्शन मानवता के कल्याण का संदेश देता है। उनके उपदेश हमें प्रेम, समानता और सेवा का मार्ग दिखाते हैं। हमें उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलकर समाज में एकता, भाईचारा और शांति का वातावरण बनाना चाहिए। नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि गुरु नानक देव के उपदेश हमें सिखाते हैं कि जहाँ प्रेम है वहीं परमात्मा है, और जहाँ सेवा है वहीं सच्ची भक्ति है। हम सबको उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में प्रेम, शांति और भाईचारे का संदेश फैलाना चाहिए। साथ में पूर्व जिला महामंत्री राकेश तिवारी, महाबल बघेल, मंडल अध्यक्ष योगेश अनंत, महामंत्री उमाशंकर वर्मा, गोपाल देवांगन, युवामोर्चा अध्यक्ष आशीष टोडर, सभापति सतीश तलरेजा, दशरथ साहू, भुवन सिंह, पार्षदगण नंदु वैष्णव, सतीश साहू, राजेश साहू, लिकेश साहू, मनीष पंजवानी, राजा कमनानी, मनिन्दर सिंह गुम्बर, काके थदवानी, सलीम खान, आयेशा खान, नीरा साहू, मधु सोनी, तनुजा धृतलहरे, अंजनी जायसवाल एवं समस्त कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया गया आंवला नवमी बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने भंडारे में किया प्रसाद ग्रहण

सरायपाली। सरायपाली ग्राम बरडीह शिव मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित होकर आंवला नवमी (अक्षय नवमी)के दिन आंवला पेड़ की पूजा कर पेड़ की परिक्रमा कर उसे जल चंदन अक्षत रोली फूल अर्पित किए और पेड़ के नीचे दीप जलाकर आंवला नवमी का पर्व बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। ग्रामीण जन द्वारा प्रकृति के प्रति आस्था समर्पण और सेवा के भाव लिए कृतज्ञता प्रकट कर शिव मंदिर पर आंवला वृक्ष के नीचे समस्त ग्रामीण जन एकत्र हुए जो ग्रामीण संस्कृति एवं सभ्यता और एकता का प्रतीक रहासंस्कृति और विरासत से मिली आस्था के केंद्र ग्राम बरडीह शिव मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित होकर आंवला नवमी (अक्षय नवमी)के दिन आंवला पेड़ की पूजा कर पेड़ की परिक्रमा कर उसे जल चंदन अक्षत रोली फूल अर्पित किए और पेड़ के नीचे दीप जलाकर आंवला नवमी का पर्व बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। ग्रामीण जन द्वारा प्रकृति के प्रति आस्था समर्पण और सेवा के भाव लिए कृतज्ञता प्रकट कर शिव मंदिर पर आंवला वृक्ष के नीचे समस्त ग्रामीण जन एकत्र हुए जो ग्रामीण संस्कृति एवं सभ्यता और एकता का प्रतीक रहा ।गौरतलब है कि कार्तिक मास को हिंदू धर्म में सबसे पवित्र और पुण्यकारी महीना माना जाता है, ब्रह्म मुहूर्त में स्नान कर इसी मास भगवान शिव को जल में थोड़ा गंगाजल मिलाकर भगवान का विधिवत जलाभिषेक, भगवान को फल- पुष्प, विल्व पत्र, अक्षत इत्यादि से पूजन- अर्चन करना पुण्यकारी माना जाता है, इसी को ध्यान में रखकर संस्कृति और विरासत में मिले आस्था के केंद्र ग्राम बरडीह में कार्तिक मास में सभी ग्रामीण जनों द्वारा ब्रम्ह मुहूर्त से स्नान ध्यान कर शिव मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र होकर नगर कीर्तन किया जाता है। आस्था के केंद्र ग्राम बरडीह शिव मंदिर परिसर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित होकर में आंवला नवमी (अक्षय नवमी) के दिन शिव मंदिर पर आंवला वृक्ष के नीचे समस्त ग्रामीण जन एकत्र होकर पूजन अर्चन कर शिव शंकर भगवान भोलेनाथ के पंचाक्षरी मंत्र का जप करते हुए भगवान शिव के ध्यानस्त हो शुभ जलाभिषेक के साथ विधिवत पूजन कर शिव कार्तिक महिमा की गीतों के साथ मौला नवमी को बड़े धूमधाम के साथ विधिवत मनाया गया।

विद्यार्थियों की देशभक्ति भावना, शहीद एवं घायल सैनिकों के परिवारों के लिए 10 हजार 250 रुपए की आर्थिक सहयोग

महासमुंद। देश की रक्षा में सरहद पर कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए सैनिकों एवं विभिन्न युद्धों में घायल एवं अपंग हुए सैनिकों तथा उनके परिवारों की आर्थिक सहायता हेतु महर्षि विद्या मंदिर मचेवा महासमुंद के छात्र-छात्राओं ने प्रशंसनीय पहल की है। विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति भावना से प्रेरित होकर कुल 10 हजार 250 रुपए की सहायता राशि एकत्रित की गई। विद्यालय प्राचार्य द्वारा बताया गया कि विद्यार्थियों से प्राप्त कुल धनराशि 10 हजार 250 रुपए का दो नग डिमाण्ड ड्राफ्ट तैयार किया गया। उक्त दोनों डिमाण्ड ड्राफ्ट को विशेष वाहक हेमप्रकाश निर्मलकर, सहायक वर्ग-3 के माध्यम से संबंधित कार्यालय को प्रेषित किया गया है।

दीपावली मिलन समारोह 07 को

महासमुंद। स्वामी शिवानन्द सरस्वती योग भवन में 07 नवंबर दिन शुक्रवार को दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम निम्नानुसार सायंकाल 04:30 बजे से जय गणेश कीर्तन तत्पश्चात महामंत्र मंत्र का सामुहिक संकीर्तन। सायंकाल 05:00 बजे से 07:30 बजे तक भजन-कीर्तन व आरती पश्चात समापन। उक्ताशय की जानकारी तारेंद्र चन्द्राकर ने दी।

वन विभाग ने कुंए में गिरे हाथियों का सफलतापूर्वक किया गया रेस्क्यू

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार वनमण्डल के अंतर्गत हरदी ग्राम में तीन हाथी-एक मादा हाथी, उसका बच्चा एवं एक नर जुवेनाइल हाथी- ग्रामीण टिकनेश्वर ध्रुव के खेत में फिसलकर गिर गए थे। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने तत्काल मौक़े पर पहुँचकर त्वरित और समन्वित कार्रवाई की गई। वन विभाग द्वारा सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए रैंप तैयार किया गया, जिसके माध्यम से तीनों हाथियों को सावधानीपूर्वक निकाला गया। रेस्क्यू ऑपरेशन के उपरांत सभी हाथियों को सुरक्षित रूप से निकटस्थ वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया, जहाँ वे अपने समूह से पुनः जा मिले। विभागीय अधिकारियों ने पुष्टि की है कि सभी हाथी पूरी तरह स्वस्थ हैं और किसी भी प्रकार की चोट नहीं आई है। इस मौके पर मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) स्तोविषा समझदार भी घटनास्थल पर पहुँचीं और रेस्क्यू की पूरी

वन विभाग की टीम द्वारा हाथियों को सुरक्षित जंगल में छोड़े गए

प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय टीम की त्वरित कार्रवाई और उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की। रेस्क्यू ऑपरेशन वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार धम्मशील गणवीर की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में तथा अधीक्षक बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य कृषानू चन्द्राकर के नेतृत्व में संचालित किया गया। विभागीय टीम ने रातभर सतर्कता और समर्पण के साथ कार्य करते हुए इस जटिल रेस्क्यू को सफलता पूर्वक अंजाम दिया। वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने कहा- वन विभाग का दायित्व केवल वन्यजीवों की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक जीवन को सुरक्षित बचाना हमारी प्राथमिकता है। हरदी ग्राम का यह रेस्क्यू ऑपरेशन विभाग की त्वरित प्रतिक्रिया, सामूहिक समर्पण और फील्ड टीम की दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण है। वन विभाग, बलौदाबाजार द्वारा इस प्रकार की आपात स्थितियों से निपटने हेतु त्वरित रेस्क्यू रेस्पॉन्स प्रणाली, ग्राउंड टीमों का प्रशिक्षण, और स्थानीय समुदायों के साथ समन्वय को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। इस अभियान को सफल बनाने में वन परिक्षेत्र अधिकारी गोपाल वर्मा, वन परिक्षेत्र अधिकारी बल्दाकछार गीतेश कुमार बंजारे, वन परिक्षेत्र अधिकारी कोठारी जीवनलाल साहू, प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारी राहुल उपाध्याय, अतुल तिवारी, सुश्री दीक्षा पाण्डेय सहित परिक्षेत्र कोठारी और बार के समस्त वनकर्मियों, फील्ड स्टाफ एवं स्थानीय ग्रामीणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में यूनिटी मार्च का आयोजन 6 नवंबर को

ग्राम पंचायत बेलसोंडा से लोहिया चौक तक यूनिटी मार्च पदयात्रा

महासमुंद। जिला प्रशासन, माई भारत तथा खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद द्वारा युवाओं में राष्ट्रीय गौरव जगाना, समाज के प्रति जिम्मेदारी बढ़ाने और एकता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से युवाओं की भूमिका पर विशेष ध्यान देते हुए यूनिटी मार्च का आयोजन किया जा रहा हैं। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती को समर्पित कार्यक्रम का उददेश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति और कर्तव्य भावना को जागृत करना है। भारत सरकार द्वारा 6 नवंबर 2025 को 150 वीं यूनिटी मार्च की शुरुआत की गई हैं जिसके अंतर्गत जिले में पद यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। जिले में 8 किलोमीटर लंबी

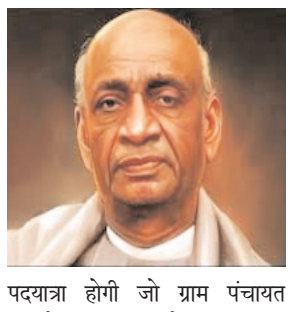

पदयात्रा होगी जो ग्राम पंचायत बेलसोंडा से प्रारंभ होकर कस्तूरबा गांधी छात्रावास, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलसोंडा, शहीद स्मारक, साई मंदिर, ग्राम पंचायत खरोरा, त्रिमूर्ति कॉलोनी, अम्बेडकर चौक होकर लोहिया चौक में समापन किया जाएगा। पदयात्रा में सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, सामाजिक संगठन, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों, खेल संघ, एनसीसी, स्काउट, रेड क्रॉस, एन एस एस, महाविद्यालय एवं विद्यालय के विद्यार्थी शामिल होंगे। आयोजन के माध्यम से स्वच्छता, नशा मुक्ति प्रतिज्ञा, स्वदेशी भारत/आत्मनिर्भर भारत संकल्प, जागरूकता का संदेश दिया जाएगा। देशभक्ति गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले एक एक वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया जाएगा। विद्यालयों में निबंध प्रतियोगिता, संगोष्ठी, नुक्कड़ नाटक आयोजित किया जाएगा। नशामुक्त भारत संकल्प, स्वदेशी मेला का आयोजन, योग एवं हेल्थ शिविर, स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

डी.डब्ल्यू.पी.एस. भाटापारा के आदर्श वर्मा और अनुष्का

भाटापारा। सृजनशीलता, विज्ञान और नवोन्मेष की संयुक्त साधना का गौरवशाली उदाहरण प्रस्तुत करते हुए दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भाटापारा के मेधावी विद्यार्थी आदर्श वर्मा एवं अनुष्का सोनकर ने स्टार्टअप छत्तीसगढ़ आइडियाथन 2025 की राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धा में शीर्ष पाँच प्रतिभागियों में अपना स्थान सुनिश्चित कर भाटापारा सहित सम्पूर्ण प्रदेश का मान बढ़ाया। यह राज्यस्तरीय आयोजन छत्तीसगढ़ शासन एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ, जिसमें प्रदेशभर के युवा नवाचारकर्ताओं ने अपने-अपने कल्पनाशील प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। आदर्श वर्मा ने एआई रीजन बैंड नामक एक सेंसर-आधारित यंत्र विकसित किया है, जो दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध हो सकता है। यह अभिनव बैंड सामने उपस्थित अवरोधों या खतरे के संकेत मिलने पर उपयोगकर्ता को ध्वनि या कम्पन के माध्यम से सचेत करता है। अब दृष्टिबाधित लोगों को लाठी के सहारे चलने की आवश्यकता नहीं होगी – केवल इस स्मार्ट वॉच को धारण करना ही पर्याप्त होगा। अनुष्का सोनकर ने बिनबोट नामक परियोजना के माध्यम से स्मार्ट वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम प्रस्तुत किया है। बिनबोट शब्द बिन (डस्टबिन) और बॉट (रोबोट) के संगम से निर्मित है। यह प्रोजेक्ट सेंसर-आधारित तकनीक पर कार्य करता है, जैसे ही कोई डस्टबिन कचरे से पूर्ण हो जाता है, यह स्वचालित रूप से संबंधित सफाई कर्मियों के मोबाइल पर सूचना भेज देता है, जिससे समय पर कचरा प्रबन्धन और स्वच्छता सुनिश्चित होती है। दोनों विद्यार्थियों के इन वैज्ञानिक एवं सामाजिक उपयोगिता से परिपूर्ण नवाचारों को निर्णायकों द्वारा अत्यधिक सराहा गया। उनके प्रोजेक्ट देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम सहित से प्राप्त 1700 विचारों में से चयनित किए गए, जो स्वयं में अत्यंत गौरव की बात है। आदर्श वर्मा को प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा 51,000 की प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही उन्हें मुख्यमंत्री के साथ लंच करने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ। इसी प्रकार, अनुष्का सोनकर को उनके उत्कृष्ट प्रोजेक्ट बिनबोट के लिए द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर 11,000 की प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति-पत्र देकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सम्मानित किया। अटल नगर, रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिसॉर्ट में आयोजित सम्मान समारोह में यह अलंकरण सम्पन्न हुआ। इस उल्लेखनीय उपलब्धि में विद्यालय के प्रधानाचार्य योगेश पोपट एवं वाणिज्य विभाग के शिक्षक दीपक यदु का मार्गदर्शन अत्यन्त प्रेरणादायी रहा। विद्यालय के प्रबन्धक अश्विनी शर्मा एवं संदीप गोयल, प्रधानाचार्य योगेश पोपट तथा समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को हार्दिक बधाइयाँ एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं।

भरत सोनी को छत्तीसगढ़ शासन का बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान

भंवरपुर। छत्तीसगढ़ राज्य शासन विधि और विधायी कार्य विभाग द्वारा वर्ष 2025 का बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान पुरस्कार की घोषणा कर दी है। अधिवक्ता संघ रायपुर में विधि व्यवसायरत अधिवक्ता भरतलाल सोनी को इस वर्ष का बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान पुरस्कार प्रदान किए जाने हेतु चयन किया गया है। सोनी विगत 26 वर्षों से अधिवक्ता संघ रायपुर में विधि व्यवसाय कर रहे हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर में विगत 15 वर्षों से पैनल अधिवक्ता के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। वर्ष 2013, 2015, 2019, 2023 एवं 2025 में रायपुर जिला स्तर पर प्रतिधारक अधिवक्ता पद पर प्रबंध कार्यालय में अपनी सेवाएं प्रदान कर सैकड़ों महिलाओं एवं जरूरतमंद हितग्रहियों को निःशुल्क विधिक सेवा एवं सहायता प्रदान किया है। इसके साथ ही राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (निःशुल्क एवं सक्षम विधिक सेवा) विनिमय 2010 के तहत विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर द्वारा संचालित किशोर न्याय बोर्ड माना एवं केंद्रीय जेल रायपुर में लीगल एड क्लीनिक में पैनल

अधिवक्ता के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर विधि से संघर्षरत बालक एवं अभिरक्षाधीन बंदियों को विधिक सहायता एवं सेवाएं प्रदान की हैं।

अधिवक्ता भरत सोनी विधिक सेवा प्राधिकरण सहित अन्य सामाजिक एवं स्वैच्छिक संस्थाओं में भी समय समय पर अपनी विधिक सेवाएं प्रदान कर सामाजिक एवं न्याय क्षेत्र में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विधि के क्षेत्र में विगत 26 वर्षों से विधिक सेवाओं के साथ ही विधिक पत्रकारिता क्षेत्र में सोनी ने अपनी विशिष्ठ पहचान बनाई है। राजधानी रायपुर से एकमात्र प्रकाशित समाचार पत्र अधिवक्ता वाणी का संपादन करते हुए विधिक एवं न्याय क्षेत्र की समसामयिक गतिविधियों पर अपनी लेखनी के माध्यम से विधिक पत्रकारिता क्षेत्र में उत्कृट योगदान दिया है। सोनी के समसामयिक विधिक विषयों एवं विधिक जागरूकता से संबंधित लेखन को अनेक समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं ने भी विशिष्ट स्थान प्रदान किया है। छत्तीसगढ़ राज्य शासन द्वारा प्रतिवर्ष राज्य अलंकरण पुरस्कार समारोह राज्य स्थापना राज्योत्सव पर आयोजित किया जाता है जिसमें कला , साहित्य, पत्रकारिता , विधि और सामाजिक सहित अन्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किए जाने पर राज्य अलंकरण से अनेक विभूतियों पुरस्कृत किया जाता है। इसके तहत ही छत्तीसगढ़ राज्य शासन विधि और विधायी कार्य विभाग द्वारा विधि के क्षेत्र में उत्कृट कार्य हेतु प्रदान किया जाने वाला बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान पुरस्कार वर्ष 2025 के लिए निर्णायक मंडल द्वारा अधिवक्ता भरतलाल सोनी का नाम चयन किया गया है। राज्य स्थापना दिवस पर आयोजित राज्योत्सव एवं राज्य अलंकरण समारोह में उपराष्ट्रपति भारत द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

श्रमिकों के पंजीयन और योजनाओं के लाभ के लिए मोबाइल कैंप का आयोजन 4 से 17 नवम्बर तक

महासमुंद। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में जिले में संगठित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के पंजीयन नवीनीकरण और योजनाओं के आवेदन एवं निराकरण के लिए मोबाइल कैंप का आयोजन किया जा रहा है। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि इन कैंपों का आयोजन विकासखंडवार अलग अलग तिथियों पर किया जाएगा। पंजीयन के लिए आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर एवं असंगठित कर्मकार के पंजीयन हेतु आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर एवं आय प्रमाण पत्र साथ लाएं। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, सरपंच एवं सचिव को निर्देशित किया गया है कि वे ग्राम पंचायतों में मुनादी कराएं, ताकि सभी श्रमिकों को इस कैंप की जानकारी दी जा सके। मोबाइल कैंप का आयोजन जिले में 4 नवम्बर से 17 नवम्बर तक किया जाएगा। जिसमें महासमुंद विकासखण्ड में 04 नवम्बर को ग्राम बोरियाझर में, 07 नवम्बर एवं 12 नवम्बर को ग्राम कोसरंगी एवं 17 नवम्बर को झालखम्हरिया में मोबाइल कैम्प का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह पिथौरा विकासखण्ड अंतर्गत 04 नवम्बर को ग्राम बढ़ाईपाली में, 10 नवम्बर को ग्राम कुम्हारीमुड़ा एवं 13 नवम्बर को ग्राम सुखीपाली में, बागबाहरा विकासखण्ड अंतर्गत 06 नवम्बर को ग्राम कुसमी में, 12 नवम्बर को कलसीदादर एवं 14 नवम्बर को जुनवानी खुर्द में कैम्प का आयोजन होगा। इसी प्रकार बसना विकासखण्ड अंतर्गत 06 नवम्बर को ग्राम जमड़ी में, 11 नवम्बर को ग्राम गनेकेरा एवं 14 नवम्बर को ग्राम इन्द्रपुर में तथा सरायपाली विकासखण्ड अंतर्गत 07 नवम्बर को ग्राम नवरंगपुर में, 10 एवं 13 नवम्बर को पाटसेन्द्री एवं 17 नवम्बर को ग्राम जलपुर में श्रमिक पंजीयन हेतु मोबाइल कैम्प का आयोजन किया जाएगा।

करनापाली के बच्चों ने जिला स्तरीय राज्योत्सव में किया गणितीय कौशल का प्रदर्शन

भंवरपुर। छत्तीसगढ़ राज्य उत्सव (रजत जयंती समारोह) जिला महासमुंद के द्वितीय दिवस शासकीय प्राथमिक शाला करनापाली विकास खण्ड बसना जिला महासमुन्द छत्तीसगढ़ के बच्चों ने मंच पर अपने गणितीय कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम स्थल पर सुसज्जित शिक्षा विभाग जिला महासमुंद के स्टॉल पर बच्चों की गणितीय कौशल का कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, जिला पंचायत सीईओ हेमंत रमेश नंदनवार डी ईओ विजय कुमार लहरे डीएमसी रेखराज शर्मा सहायक संचालक एन के सिन्हा ए पी सी सम्पा बोस बी आर सी महासमुन्द जागेश्वर सिन्हा आदि जिले के सभी अधिकारियों एवं कार्यक्रम में आए अतिथियों ने बच्चों के गणितीय कौशल का निरीक्षण किया। शासकीय प्राथमिक शाला करनापाली के बच्चों ने शिक्षक वीरेंद्र कुमार कर की अगुवाई में राज्योत्सव समारोह में सभी अतिथियों के सम्मुख गुणा भाग वर्ग

वर्गमूल परिमाप क्षेत्रफल आदि पर आधारित ईबारती सवालों का मौखिक 30सेकण्ड से भी कम समय में उत्तर दिया। गणितीय कौशल युक्त कार्यक्रम में शासकीय प्राथमिक शाला करनापाली विकास खण्ड बसना से कक्षा पांचवी के छात्र छात्रा जयंती नेताम कोमल पटेल प्रियांश साहू एवं दीपेश चौधरी ने भाग लिया। बच्चों के त्वरित उत्तर देने की क्षमता एवं गणितीय कौशल ने सभी अतिथियों एवं आगंतुकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सभी अतिथियों ने मुक्त कण्ठ से शासकीय प्राथमिक शाला करनापाली विकास खण्ड बसना जिला महासमुन्द छत्तीसगढ़ के बच्चों के गणितीय दक्षता देखकर को प्रोत्साहित किया। जिला स्तरीय छत्तीसगढ़ राज्योत्सव समारोह महासमुंद में विकास खण्ड बसना के सुदूर अंचल में बसे करनापाली विद्यालय द्वारा गणितीय कौशल युक्त कार्यक्रम प्रस्तुत करने हेतु विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर कंवर एवं बीआरसी अनिल साव प्रधान पाठक शासकीय प्राथमिक शाला करनापाली गिरधारी साहू शिक्षिका निर्मला नायक समस्त पालक एवं ग्रामीणजन करनापाली सभी बन्धुओं ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

संक्षिप्त समाचार

ई-रिक्शा की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

रायपुर। डीआरएम ऑफिस के सामने ई-रिक्शा चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवार को टक्कर मार दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में खमतराई पुलिस ने आरोपी ऑटो चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक रविन्द्र सोना 24 वर्ष जागृतिनगर खमतराई का रहने वाला था। बताया जाता है कि वह अपनी बाइक से कहीं जा रहा था, तभी डीआरएम ऑफिस के सामने ई-रिक्शा चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दिया। जिससे बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मामले में खमतराई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं ई-रिक्शा चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

चाकू लहराकर आतंक फैलाते युवक गिरफ्तार

रायपुर। गंज थाना पुलिस ने रेलवे स्टेशन शराब दुकान के पास चाकू लहराकर आतंक फैलाते एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार गंज थाना पुलिस को सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन शराब दुकान के पास एक युवक चाकू लहराकर आतंक फैलाते हुए डरा धमका रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी विष्णु राजपूत 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से चाकू जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

चीतल की मौत मामले में दो वनकर्मी निलंबित

रायपुर। बलौदाबाजार वनमण्डल के अर्जुनी परिक्षेत्र अंतर्गत दक्षिण महराजी परिसर में मृत चीतल को दफ़्नाने के़ पूर्व निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं करने के मामले में वनमण्डलाधिकरी गणवीर धम्मशील ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो लापरवाह वनकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बता दें कि 23 अक्टूबर 2025 को बलौदाबाजार वनमण्डल के अर्जुनी परिक्षेत्र अंतर्गत दक्षिण महराजी परिसर में एक मादा चीतल वन्यप्राणी को वनरक्षक द्वारा बिना उच्च अधिकारियों को सूचित किए तथा बिना पोस्टमार्टम कराए मृत वन्यप्राणी को दफना दिया गया। परिक्षेत्र अधिकारी अर्जुनी द्वारा प्रारंभिक जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि मृत चीतल को पहले एक स्थान पर दफ्नाने के बाद पुन: दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कर दोबारा दफ्नाया गया था। यह संपूर्ण प्रक्रिया विभागीय नियमों, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 एवं निर्धारित कार्यप्रणालियों के विपरीत पाई गई। घटना की जानकारी प्राप्त होते ही वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार द्वारा तत्काल संज्ञान लेकर वनरक्षक राजेश्वर वर्मा एवं नरोत्तम पैंकरा को कर्तव्य की उपेक्षा एवं अनुशासनहीनता के लिए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही, घटना की विस्तृत जांच के के लिए उप वनमण्डल अधिकारी कसडोल को निर्देशित किया है। वनमंडल अधिकारी द्वारा क्षेत्रीय अमले को यह निर्देश भी जारी किए गए हैं कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नियमित निगरानी, त्वरित सूचना आदान-प्रदान एवं रिपोर्टिंग प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। साथ ही सभी परिक्षेत्रों में वन्यजीव गश्ती दलों की जिम्मेदारी और सतर्कता बढ़ाने हेतु भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

शौच करने गया मजदूर पीछे से एक्टिवा चोरी

रायपुर। राजधानी रायपुर में वाहन चोरी की वारदातें लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला मुजगहन थाना क्षेत्र का है, जहां एक मजदूर की एक्टिवा उस समय चोरी हो गई जब वह सड़क किनारे शौच के लिए रुका था। घटना 14 अक्टूबर 2025 की रात की है। पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का अपराध कायम कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम टेकारी निवासी और वर्तमान में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सेजबहार में रहने वाले एक मजदूर ने बताया कि वह कल्पतरू पावर प्लांट, खोरपा में मजदूरी का काम करता है। रोजाना अपनी एक्टिवा (क्रमांक सीजी 04 एमटी 2178) से वह सेजबहार से खोरपा आता-जाता था। घटना वाले दिन भी वह सामान्य रूप से काम पर गया था और शाम को छुट्टी के बाद अपने वाहन से घर लौट रहा था। रात्रि करीब 7:30 बजे जब वह हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी खिलोरा के आगे मुजगहन की ओर पहुंचा, तो उसने अपनी एक्टिवा को सड़क किनारे बिना लॉक किए, चाबी सहित खड़ी कर दी और शौच के लिए पास ही बैठ गया। इसी बीच छछानपैरी की दिशा से तीन युवक एक मोटरसाइकिल पर आए और मौका पाकर उसकी एक्टिवा लेकर फ़रार हो गए। पीड़ित ने बताया कि वह जैसे ही लौटा, उसकी एक्टिवा गायब थी। आसपास के लोगों से पूछताछ करने और स्वयं खोजबीन करने के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद वह थाना मुजगहन पहुंचा और पूरी घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई।

मुख्यमंत्री ने 14 पुलिस जवानों को प्रदान किए वीरता पदक

छत्तीसगढ़ ने 25 वर्षों में लिखी है विकास की नई गाथा-मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने नक्सल मोर्चे पर अदम्य साहस दिखाने वाले दो शहीदों के परिजनों और 12 पुलिस जवानों को प्रदान किए वीरता पदक

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज शाम राज्योत्सव के चौथे दिन नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने राज्योत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ ने अपनी स्थापना के 25 वर्षों में विकास की नई गाथा लिखी है। राज्य ने हर क्षेत्र में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 1 नवम्बर को दिनभर नवा रायपुर में रहकर राज्योत्सव का शुभारंभ किया और विधानसभा के नए भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने अपने प्रवास के दौरान राज्य को 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी है। इसके लिए मैं राज्य के तीन करोड़ लोगों की ओर से उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूं। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि अलग राज्य के निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ उपेक्षा के दंश से मुक्त हुआ। अटलजी की दूरदृष्टि से छत्तीसगढ़ के विकास को नई गति मिली। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से गांव-गांव तक पक्की सड़क पहुँची, जिससे ग्रामीण विकास के द्वार खुले। शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना सहित सभी क्षेत्रों में तीव्र गति से कार्य हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले 22 महीनों में 'मोदी की गारंटी' के अधिकांश बड़े कार्यों को पूरा किया है। हम राज्य में स्वच्छ, संवेदनशील और पारदर्शी शासन के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी उद्देश्य से हमने सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य निर्माण से पूर्व बस्तर और सरगुजा के सुदूर वनांचल उपेक्षा का शिकार हुआ करते थे। स्वास्थ्य, शिक्षा और निर्माण सुविधाओं के अभाव में ये क्षेत्र नक्सल हिंसा की पीड़ा सहते हुए दयनीय अवस्था में थे। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इस पीड़ा को समझते हुए अलग राज्य का निर्माण किया, जिसके बाद से छत्तीसगढ़ लगातार विकास की राह पर अग्रसर है। संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव ने राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सभी नागरिकों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नक्सल ऑपरेशन में अदम्य साहस और वीरता का प्रदर्शन करने वाले पुलिस के 14 जवानों को वीरता पदक प्रदान कर सम्मानित किया।

शक्ति नगर जोन 3 में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

- मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत एमएमयू-04 की सेवाएं
- कालीमाता वार्ड 12 अंतर्गत शक्तिनगर में विशेष स्वास्थ्य शिविर, 103 मरीजों की जाँच

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू-04) द्वारा काली माता वार्ड क्रमांक 12, शक्तिनगर में हनुमान मंदिर के समीप एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य क्षेत्र के निवासियों को नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। इस शिविर में कुल 103 मरीजों की जांच की गई, जिनमें 27 पुरुष, 33 महिलाएं, 1 बच्चा और 42 बुजुर्ग शामिल थे। कुल 97 मरीजों को नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। वहीं 23 लोगों का लैब टेस्ट किया गया, जिसमें 10 पुरुष और 13 महिलाएं थीं। इस दौरान कोई ईसीजी, आउटसोर्स टेस्ट या रेफरल केस दर्ज नहीं हुआ। शिविर में उपस्थित सभी मरीजों को आवश्यक परामर्श और प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया। शिविर का संचालन डॉ. सोम्या सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान फार्मासिस्ट आंचल पाल, लैब टेक्नीशियन प्रिया वर्मा, नर्स स्वाति मणिकपुरी और ड्राइवर हेमंत वर्मा ने अपनी सेवाएं दीं। क्षेत्र के परियोजना प्रबंधक विकास दुबे भी शिविर के दौरान उपस्थित रहे और आयोजन की व्यवस्था का निरीक्षण किया। छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य राज्य के नागरिकों को स्वस्थ और सजग रखना था।

राज्योत्सव शिल्पग्राम में लोगों को आकर्षित कर रहा ढोकरा शिल्प....

- राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित कलाकार पंचुराम सागर की शिल्प मावली माता, झिटकु-मिटकु बना आकर्षण का केंद्र

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25वें वर्षगांठ के मौके पर नवा रायपुर में आयोजित भव्य राज्योत्सव के शिल्पग्राम में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक ढोकरा कला (बेलमेटल शिल्प) को देखने बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। लॉस्ट वैक्स तकनीक से तैयार होने वाली बस्तर की यह प्राचीन कला आज भी अपनी मौलिक पहचान बचाए हुए है। शिल्पग्राम में लोग ढोकरा शिल्प की मूर्तियों, सजावटी वस्तुओं और पारंपरिक आकृतियों को देखने और खरीदने पहुंच रहे हैं। प्रदेश के हर जिले से आए शिल्पकारों को इस आयोजन में अपनी कला प्रदर्शित करने का बेहतरीन अवसर मिला है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शिल्पकारों को प्लेटफॉर्म देने और स्थानीय कला को बढ़ावा देने की पहल की शिल्पकारों और आगंतुकों ने सराहना की है। इस आयोजन को सफल बनाने में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की पहल महत्वपूर्ण रही है, जिसके चलते कलाकारों को न केवल मंच मिला है, बल्कि नए बाजार और नए खरीदारों तक पहुंच भी मिली है। कोंडागांव के भेंलवापदरपारा से आए राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त कलाकार पंचुराम सागर ने बताया कि राज्योत्सव जैसे भव्य आयोजन में कलाकारों को पहचान और सम्मान मिलता है। उन्होंने कहा कि लोगों में ढोकरा कला के प्रति काफी उत्साह है और वे इस कला की निर्माण प्रक्रिया और महत्व के बारे में भी पूछ रहे हैं।

राज्योत्सव शिल्पग्राम में जमकर हो रही टेराकोटा शिल्प की खरीददारी
माटीकला बोर्ड के स्टॉल पर उमड़ रही खरीददारों की भीड़

कांग्रेस रूदाली-रोदन की अपनी नियति से उबर नहीं पाई

बैज पहले अपने शासनकाल की वादा खिलाफी याद रखें

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के वन और सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि सांस्कृतिक परम्पराओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और छत्तीसगढ़ व देश के संत-महात्माओं व महापुरुषों की स्मृतियों से गौरवान्वित राज्योत्सव के रजत जयंती वर्ष के मौके पर भी कांग्रेस रूदाली-रोदन की अपनी नियति से उबर नहीं पाई। श्री कश्यप ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की पत्रकार वार्ता पर तीखा पलटवार करते हुए नसीहत दी कि बैज को अपनी याददाश्त दुरुस्त करने के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए अन्यथा उथले बयानों से बैज और कांग्रेस, दोनों की जगहँसाई होते देर नहीं लगेगी। प्रदेश के वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि बैज को रूदाली-प्रलाप करने से पहले अपने शासनकाल की वादाखिलाफी को ध्यान में रखना चाहिए। भाजपा के वादों और मोदी की गारंटी पर सवाल उठाने का तो बैज को कोई नैतिक अधिकार ही नहीं है। सन 2018 के चुनाव में छत्तीसगढ़ से छत्तीस वादे करके उन वादों से साफ मुकर ?कर प्रदेश की जनता से छलकपट करने वाली कांग्रेस आज भाजपा के वादों पर ज्ञान बाँटने की निर्लज्जता का प्रदर्शन कर रही है। खुद राहुल गांधी ने 2018 में छत्तीसगढ़ में घूम-घूमकर फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने, किसानों का प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदने का वादा किया था।

किसान पर धारदार हथियार से हमला

रायपुर। जिले के ग्राम ढिमरटीकुर बजरंग चौक में एक किसान पर धारदार हथियार से प्राणघातक हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी में पुरानी रंजिश के चलते किसान पर हमला किया था। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 01.11.2025 को राज लगभग 10 बजे ग्राम ढिमरटीकुर बजरंग चौक में नरेन्द्र कुमार साहू अपने गांव के मोहन गंजीर, हेमनारायण सोनी, पोखन साहू, नोहर साहू एवं अन्य लोगों के साथ बैठकर खेती-किसानी संबंधी चर्चा कर रहे थे। उसी समय गांव का तिहारु राम यादव पिता स्व. लक्ष्मण यादव उम्र 60 वर्ष साकिन ढिमरटीकुर नवांगांव थाना अर्जुनी वहां पहुंचा और दीपावली लक्ष्मी पूजा के दिन हुई पैसों की लेनदेन की पुरानी रंजिश को लेकर प्रार्थी से गाली-गलौज करते हुए विवाद करने लगा। आरोपी ने अचानक अपने हाथ में रखे तेज धारदार लोहे के बण्डा से प्रार्थी के सिर पर प्राणघातक हमला कर दिया। प्रार्थी द्वारा बीच-बचाव करने पर उसके दाहिने हाथ की उंगली में गंभीर चोट आई, जिससे खून बहने लगा। घटना की सूचना पर थाना अर्जुनी पुलिस द्वारा तत्काल धारा 296(ख), 109 बी.एन.एस. के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

अब चर्चित सट्टेबाज छोटू भांडुलकर ने किया सरेंडर

रायपुर/ संवाददाता

जिले के गोबरा नवापारा क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटर सट्टेबाज छोटू भांडुलकर ने आखिरकार रायपुर कोर्ट में सरेंडर कर दिया। छोटू भांडुलकर का जून 2025 में सोशल मीडिया पर विडियो वायरल हुआ था जिसके बाद से सट्टेबाज छोटू भांडुलकर फ़रार चल रहा था। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को छोटू भांडुलकर ने रायपुर जिला न्यायालय में पहुंचकर मजिस्ट्रेट के समक्ष सरेंडर किया। इसके बाद मजिस्ट्रेट ने तत्काल गोबरा नवापारा थाना प्रभारी को इस संबंध में सूचना दी। खबर मिलते ही पुलिस की टीम कोर्ट पहुंची और विधिवत कार्रवाई करते हुए छोटू भांडुलकर को अपनी हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई के लिए कोर्ट में पेश कर दिया गया है। बता दें कि छोटू भांडुलकर पर कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, और वह इलाके में सट्टा कारोबार का बड़ा नाम माना जाता है। मामले की शुरुआत जून 2025 में हुई थी, जब छोटू भांडुलकर के क्षेत्र में लाखों रुपये के दांव पर जुआ खेलने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में कई लोग खुलेआम सट्टा लगाते और जुआ खेलते नजर आए थे। वीडियो वायरल होने के बाद रायपुर पुलिस ने कार्रवाई की योजना बनाई और गोबरा नवापारा इलाके में छापेमारी की। लेकिन कार्रवाई से ठीक पहले कुछ खुफ़िया सूत्रों के माध्यम से यह जानकारी लीक हो गई।

युवाओं ने की छत्तीसगढ़ अंजोर विज़न 2047 की सराहना

राज्योत्सव प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने देखा छत्तीसगढ़ का विकास

रायपुर/ संवाददाता

नवा रायपुर अटल नगर में चल रहे छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव-2025 के अंतर्गत राज्योत्सव में जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी, युवाओं और विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और उपयोगी साबित हो रही है। प्रदर्शनी में पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ के विकास यात्रा को प्रदर्शित किया गया है। राजधानी के अलावा आसपास के अन्य जिलों के स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी भी प्रदर्शनी का अवलोकन कर रहे हैं। महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी कॉलेज के प्रथम वर्ष के छात्र-छात्रा पीयूष यादव, नंदना चौबे और चेतना वर्मा और कई विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से शासन की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी प्रेरणादायक तरीके से प्रस्तुत की गई है। छत्तीसगढ़ अंजोर विज़न 2047 को बेहद प्रेरणादायक बताया। अभनपुर आईटीआई के छात्र तरुण, डागेश्वर, राहुल, कुमार साय और गुलशन पटेल ने कहा कि प्रदर्शनी से उन्हें राज्य सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों की व्यापक जानकारी मिली है। धमतरी जिले के बटेली बखारा स्थित अधर्व हायर सेकेंडरी स्कूल के गौरव, तुषार, नारायणी और क्षमानिधि ने कहा कि प्रदर्शनी से उन्हें शासन की योजनाओं के जनजीवन पर प्रभाव की समझ मिली। नारायणा ई-टेक्नो स्कूल मोवा की छात्राएँ शैली चौहान, लावण्या और बिंदु ने कहा कि

प्रदर्शनी के माध्यम से उन्हें शासन की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी रोचक रूप में मिली। उनको 360 डिग्री इमरसिव डोम काफ़ी अच्छा लगा। विजन इंग्लिश मीडियम स्कूल के अभिषेक, विकेश्वर, दुकेश और टिकेंद्र ने प्रदर्शनी को ज्ञानवर्धक और आकर्षक बताया तथा कहा कि इस तरह की पहल से विद्यार्थियों को शासन की योजनाओं की जानकारी सरलता से मिलती है

छत्तीसगढ़ प्रकृति, संस्कृति और प्रगति का संगम' प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर जनसंपर्क विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ कॉलेज रायपुर से आई अनामिका पांडे,याचना तारक,अनामिका साहू और गरिमा साहू, फिंगेश्वर से आए श्री पुनीत राम साहू, श्री नेहरू राम साहू, श्री लक्ष्मण राम साहू और श्री चिंता राम साहू, कबीरधाम जिले के स्वामी विवेकानंद कॉलेज, बोडला की दिव्या, हेमलता एवं सीमा व अन्य छात्राओं तथा रायपुर के कैलाशनगर वीरगांव से आए श्री अंकुर मिरि और अलका मिरि ने भी प्रदर्शनी की सराहना की। छत्तीसगढ़ प्रकृति, संस्कृति और प्रगति का संगम थीम पर 25 वर्षों की विकास यात्रा को दर्शाने वाली प्रदर्शनी नवा रायपुर अटल नगर स्थित राज्योत्सव स्थल पर लगाई गई है। यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों, नागरिकों और आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रदर्शनी में कृषक उन्नति योजना, महतारी वंदन योजना, रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया, तेंदूपत्ता संग्राहकों के पारिश्रमिक में वृद्धि, चरण पादुका योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और घर-घर निर्मल जल अभियान जैसी योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत की गई है। अंजोर विज़न 2047 के माध्यम से छत्तीसगढ़ के विकास की दिशा, जनकल्याणकारी पहलों और नई संभावनाओं की जीवंत झलक दिखाई गई है।

संपादकीय

सबको चुभेगा ये बैन

अलास्का में रूसी राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात की उम्मीदें अब पुरानी लगने लगी हैं। अगस्त की वह तस्वीर, जिसमें दोनों नेता एक ही कार में थे, अब यूक्रेन युद्ध पर बातचीत शुरू होने की उम्मीद जगाती थी। लेकिन, रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों, ऋश्चह्यठ्ठद्गद्धद्ब और ख्द्बद्मश्चद्बद्य पर अमेरिकी प्रतिबंधों ने इस उम्मीद को खत्म कर दिया है। इस अमेरिकी फैसले का असर भारत सहित पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा। ट्रंप बुडापेस्ट में पुतिन से मिलने वाले थे, लेकिन बाद में उन्होंने कहा कि वह ऐसी बैठक नहीं करना चाहते जो बेकार साबित हो। इसके ठीक अगले दिन, रूसी कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। ट्रंप सरकार का मानना है कि रूस युद्ध में अपने तेल व्यापार के दम पर टिका हुआ है। इसलिए, यह कदम रूस पर दबाव बनाने के लिए उठाया गया है। पहले भी अमेरिका रूसी तेल पर आपत्ति जताता रहा है, लेकिन भारत और चीन के ज़रिए इसके व्यापार की छूट देता रहा था। अमेरिकी सहमति के कारण ही दुनिया में तेल की सप्लाई पहले की तरह जारी थी। लेकिन अब नए प्रतिबंध सीधे कंपनियों पर लगाए गए हैं। इसका मतलब है कि इन कंपनियों के साथ किसी भी तरह का व्यापार करना बहुत मुश्किल हो जाएगा। रूस ग्लोबल ऑयल प्रोडक्शन का 11 प्रतिशत रखता है, और ये दोनों कंपनियां इसमें से लगभग आधा उत्पादन करती हैं। इन पर बैन लगने से कच्चे तेल की ग्लोबल सप्लाई घट सकती है। हालांकि ओपेक देशों ने अमेरिका के कहने पर पहले ही उत्पादन बढ़ा दिया है, लेकिन रूस के सस्ते तेल की कमी को पूरा करना आसान नहीं होगा। अमेरिकी प्रतिबंधों का असर भारत पर भी पड़ेगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज और अन्य सरकारी व निजी तेल रिफाइनरी कंपनियां रूसी तेल पर बहुत ज़्यादा निर्भर हैं। रिलायंस तो रोसनेफ्ट की सबसे बड़ी भारतीय खरीदार है। भारतीय कंपनियों ने रूस से तेल खरीदना कम करने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी बैन के बाद ब्रेंट क्रूड के दाम में 5 प्रतिशत आया है। 21 नवंबर से जब ये प्रतिबंध पूरी तरह लागू हो जाएंगे, तो क्रूड ऑयल की कीमतों में और तेज़ी आ सकती है। यह भारत जैसे देशों के लिए चिंता की बात है, क्योंकि भारत अपनी 85 प्रतिशत तेल ज़रूरतें आयात से पूरी करता है। यह स्थिति भारत के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करती है। भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करनी होगी। रूसी तेल पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार और कंपनियों को मिलकर काम करना होगा। यह देखना होगा कि भारत इस मुश्किल दौर से कैसे निपटता है। यह प्रतिबंध सिर्फ़ रूस पर ही नहीं, बल्कि उन देशों पर भी असर डालेगा जो रूस से तेल खरीदते हैं। तेल की बढ़ती कीमतें आम आदमी की जेब पर भारी पड़ेंगी। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ेंगे, जिससे महंगाई और बढ़ेगी। सरकार को इस स्थिति से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या अमेरिका अपने प्रतिबंधों पर कायम रहता है या फिर बातचीत के ज़रिए कोई समाधान निकलता है।

एक नवंबर के दिन छत्तीसगढ़ की उम्र चौथाई सदी पूरी कर चुकी है। इस राज्य के जन्म के लिए धरनारत रहे उस व्यक्ति का नाम लोग भूल चुके हैं। राजनेताओं की लंबी फेहरिस्त राजनीतिक क्षितिज पर अपनी अच्छी-बुरी उपलब्धियों के साथ चमक रही है। लेकिन दाऊ आनंद अग्रवाल का संघर्ष कहीं खो गया है। इक्कीसवीं सदी की आहट सुनाई देने लगी थी..उन दिनों इन पंक्तियों का लेखक मध्य प्रदेश-राजस्थान के एक बड़े अखबार का दिल्ली में संवाददाता था..उस दिन खबरों का सूखा था..उसे दूर करने की नीयत से इन पंक्तियों का लेखक धरनों के लिए विख्यात जंतर-मंतर पर जा पहुंचा...वहां जाकर देखा, मध्य प्रदेश से अलग करके छत्तीसगढ़ राज्य बनाने की मांग को लेकर साधारण-सा व्यक्ति धरने पर बैठा था..साथ में गिनती के विश्वासपात्र ही बैठे थे..पता चला कि धरनारत उस व्यक्ति के पास खाने तक के पैसे नहीं थे..उनसे पता चली कि रात को रोजाना अपनी क्षुधा शांत करने के लिए पास ही स्थित गुरुद्वारा बंगला साहिब या फिर रकाब जाते और वहां के लंगर से अपनी भूख शांत करते थे..उनके साथियों का भी यही हाल था..वनोपज और प्राकृतिक संसाधनों से युक्त राज्य का धरना और उसे सहारा लंगर का..मर्म को छूने वाली वह खबर थी..खबर लिखी भी, 'लंगर के सहारे चलता अलग राज्य का धरना'. खबर छपते ही रायपुर और उसके आस-पास हलचल मच गई। तब आज की तरह फोन नहीं थे..लेकिन लोग उस धरना देने वाले व्यक्ति का पता पूछने और उन तक अपनी श्रद्धा रकम पहुंचाने की जैसे होड़ लग गई।

चौथाई सदी में कितना बदला धान का कटोरा

(उमेश चतुर्वेदी)

एक नवंबर के दिन छत्तीसगढ़ की उम्र चौथाई सदी पूरी कर चुकी है। इस राज्य के जन्म के लिए धरनारत रहे उस व्यक्ति का नाम लोग भूल चुके हैं। राजनेताओं की लंबी फेहरिस्त राजनीतिक क्षितिज पर अपनी अच्छी-बुरी उपलब्धियों के साथ चमक रही है। लेकिन दाऊ आनंद अग्रवाल का संघर्ष कहीं खो गया है। पता नहीं छत्तीसगढ़ के लोगों, विशेषकर प्रबुद्ध लोगों को उनका नाम याद है भी या नहीं। उन दिनों छत्तीसगढ़ के एक प्रमुख दैनिक के दिल्ली ब्यूरो प्रमुख रहे विनोद वर्मा बताते हैं कि दाऊ के एक वक्त का भोजन अखबारों के प्रमुख दफ्तर आईएनएस बिल्डिंग की कैंटीन में होता था..जिसका खर्च विनोद वर्मा उठाते थे। यहां बता दें कि विनोद वर्मा बाद के दिनों में छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार रहे।

आनंद अग्रवाल को ही क्यों, बहुत लोगों को पवन दीवान की भी याद नहीं होगी। पवन दीवान बुनियादी रूप से समाजवादी नेता थे। यह बात और है कि उन्होंने बाद में राजनीतिक दलों में खूब आवाजाही की। कभी बीजेपी के कमलधारक बने तो कभी कांग्रेस के हाथ का साथ लिया। लेकिन छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने के लिए बड़ा आंदोलन उन्होंने किया था। दिल्ली के जंतर-मंतर पर उन्होंने बड़ा प्रदर्शन भी किया था। छत्तीसगढ़ अब अलग राज्य के रूप में फल-फूल रहा है। लेकिन उसे मध्य प्रदेश से अलग राज्य बनाने की पहली बार ठोस मांग करने वाले खूबचंद बघेल के नाम को कितने लोग याद करते हैं, पता नहीं। पिछली सदी के साठ के दशक के आखिरी वर्षों में उन्होंने छत्तीसगढ़ भ्रातृ संघ बनाया था और अलग राज्य की उन्होंने मांग को पहली बार ताकतवर सुर दिया था। जिन्होंने भी छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने की मांग रखी, उनकी मांग का आधार था छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक संसाधन, वनोपज और खूबसूरत नजारे। सबका मानना था कि अपने प्राकृतिक सौंदर्य, वनोपज और खनिजों की वजह से छत्तीसगढ़ कहीं ज्यादा समृद्ध है, लेकिन उसका फायदा उसके निवासियों को नहीं मिल रहा है। उस पर कब्जा राज्य के दूसरे इलाके के लोगों और राजनीतिक वर्चस्व वाली ताकतों को मिल रहा है। वैसे छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने की मांग 1924 में रायपुर में हुई थी। लेकिन तब देश गुलाम था, अंग्रेजी दासतां से मुक्ति तब पहला उद्देश्य था। लिहाजा यह मांग सिरे से परवान नहीं चढ़ पाई।

दिलचस्प यह है कि जिन्होंने अलग राज्य की मांग रखी, राजनीतिक रूप से उनका आज कोई अस्तित्व ही नहीं है। इसे बिडंबना कहें कि कुछ और, यह स्थिति छत्तीसगढ़ के साथ बने उत्तराखंड राज्य की भी है। उत्तराखंड को उत्तर प्रदेश से अलग राज्य बनाने की मांग को लेकर सबसे जोरदार आंदोलन उत्तराखंड क्रांति दल ने चलाया, उसकी कीमत भी चुकाई। मुजफ्फरनगर कांड उस कीमत की चरम परिणति कही जा सकती है। लेकिन उत्तराखंड में आज उत्तराखंड क्रांति दल हाशिए पर है।

छत्तीसगढ़ से जुड़ा एक और वाकया याद आ रहा है। छत्तीसगढ़ में पहली बार विधानसभा चुनाव 2003 में हो रहा था। उसकी तैयारी भारतीय जनता पार्टी ने एक साल पहले ही शुरू कर दी थी। उन दिनों केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की अगुआई में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार थी। उस सरकार में रमन सिंह इस्पात राज्य मंत्री थे। बीजेपी ने तय किया कि उन्हें चुनावी तैयारी के लिए छत्तीसगढ़ भेजा जाए। रमन सिंह छत्तीसगढ़ जाना नहीं चाहते थे। दिल्ली के ललित होटल के एक कार्यक्रम में दबी जुबान से बीजेपी के इस फैसले का विरोध भी जताया था। शायद उन्हें अपने भावी किस्मत का पता नहीं था। भारी मन से वे छत्तीसगढ़ गए, लेकिन विधानसभा चुनावों में उनकी अगुआई में भारी जीत मिली। मुख्यमंत्री बने और लगातार तीन कार्यकाल तक मुख्यमंत्री रहने का उन्हें स्वर्णिम मौका मिला।

छत्तीसगढ़ ने तब से लेकर अब तक लंबी यात्रा कर ली है। छत्तीसगढ़ की पच्चीस साल की इस यात्रा में सत्रह साल तक बीजेपी का शासन रहा है, जबकि महज आठ साल कांग्रेस की सरकार रही। छत्तीसगढ़ जब अलग हुआ था तो उसका बजट महज पांच हजार सात सौ करोड़ का था। आज राज्य का बजट एक लाख 65 हजार सौ करोड़ तक पहुंच गया है। राज्य की मौजूदा विष्णुदेव साय सरकार इसे गति यानी सुशासन, त्वरित अवसंरचना, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक विकास की थीम पर आधारित बजट बता रही है। छत्तीसगढ़ राज्य जब बना तो वहां सिर्फ एक मेडिकल कॉलेज था, वहां एकमात्र मेडिकल कॉलेज पंडित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, रायपुर था। यह कॉलेज 1963 में स्थापित किया गया था और इसे रायपुर मेडिकल कॉलेज के नाम से भी जाना जाता है। लेकिन छत्तीसगढ़ में आज 14 मेडिकल कॉलेज हैं, जिनमें 11 सरकारी, एक एम्स और 3 निजी कॉलेज शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य में 4 नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों के निर्माण की घोषणा की जा चुकी है। ये कॉलेज बन गए तो उनकी संख्या 18 हो जाएगी। कह सकते हैं कि राज्य ने मेडिकल के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगा ली है।

छत्तीसगढ़ को लेकर एक छवि यह है कि वह छोटा राज्य है। लेकिन हकीकत ऐसा नहीं है। उसे छोटा मानने की वजह उसकी अपेक्षाकृत कम जनसंख्या है। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, राज्य की जनसंख्या दो करोड़ 55 लाख से ज्यादा है। अनुमान है कि इन दिनों राज्य की जनसंख्या तीन करोड़ आठ लाख के करीब है। आम धारणा है कि छत्तीसगढ़ बिहार से भी छोटा है। बिहार की जनसंख्या करीब तेरह करोड़ से कुछ ज्यादा है। लेकिन हकीकत यह है कि छत्तीसगढ़ रकबा के लिहाज से बिहार से डेढ़ गुना बड़ा राज्य है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के सलाहकार पंकज झा कहते हैं कि छोटा राज्य होने की छवि के चलते छत्तीसगढ़ को भारतीय राजनीति का ज्यादातर हिस्सा उसे कमतर आंकता है। इस छवि को तोड़ना उनकी सरकार की प्राथमिकता है।

जब छत्तीसगढ़ बना था, तब उसके हिस्से मध्य प्रदेश के 16 जिले आए थे। लेकिन आज छत्तीसगढ़ में 33 जिले हैं। खूबसूरत झरने, प्राकृतिक जंगलों और खूबसूरत पहाड़ों के प्रदेश छत्तीसगढ़ में कोयला, लोहा और टिन का प्रचुर खनिज भंडार है। देश का तीसरा सबसे बड़ा वनाच्छादित राज्य छत्तीसगढ़ है, जिसका कुल 44.24 प्रतिशत हिस्सा जंगलों से ढंका पड़ा है। जाहिर है कि इनकी वजह से जहां पर्यावरण की रक्षा हो रही है, वहीं जंगल पर आधारित जनजातियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ एक नए राज्य के रूप में अपनी स्थापना के बाद से, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था जैसे कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बदलाव से गुजरा है। राज्य की प्रति व्यक्ति आय में लगभग 10 गुना वृद्धि हुई है, राज्य की जीडीपी 21,000 करोड़ डॉलर से बढ़कर लगभग अब करीब 5 लाख करोड़ डॉलर की हो गई है। कभी यहां आने में बैंक हिचकते थे, लेकिन अब यहां बैंकों का जाल है। राजमार्ग और रेलवे का नेटवर्क भी राज्य में बहुत बढ़ा है। मध्य प्रदेश से अलग होते वक्त राज्य में महज चार विश्वविद्यालय थे, जिनकी संख्या बढ़कर अब 25 हो चुकी है। पहले नक्सल प्रभावित इलाकों में स्कूलों की भारी कमी थी। लेकिन अब यहां नए स्कूल खोले गए हैं और पोटाकेबिन, आश्रम और छात्रावास जैसी पहल शुरू की गई हैं। बस्तर में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण किया गया है, हालाँकि यह अभी अधूरा है। नक्सलवाद के चलते यहां परिवहन ढांचा सुदृढ़ नहीं था। लेकिन अब उसमें भी बदलाव आया है। राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों और रेल लाइनों की लंबाई दोगुनी हो गई है। पहले राज्य की राजधानी रायपुर से सिर्फ छह उड़ानों की सुविधा थी, जो अब बढ़कर 76 हो गई है। बस्तर और सरगुजा में भी हवाई अड्डे बनाए गए हैं। जगदलपुर में साप्ताहिक आधार पर उड़ीसा और आंध्र प्रदेश के लिए विमान सेवाएं जारी हैं। राज्य की शुरूआत में जहां बैंक शाखाओं की संख्या 1500 थी, वह अब बढ़कर 6500 हो गई है। छत्तीसगढ़ को उसकी धान की उपज के लिए धान का कटोरा कहा जाता था। अलग राज्य बनने के बाद राज्य में जहां धान की खरीद 5 लाख मीट्रिक टन थी, वह अब बढ़कर 1.5 करोड़ मीट्रिक टन हो गई है। इसी तरह राज्य में बिजली उत्पादन 7300 मेगावाट से बढ़कर 18000 मेगावाट तक पहुंच गया है। राज्य के वनोपज में तेंदूपत्ता का प्रमुख स्थान है। सरकारी स्तर पर तेंदूपत्ता संग्रहण मूल्य को ?2500 से बढ़ाकर ?4000 प्रति मानक बोरा कर दिया गया है।

कभी लोहा, कोयला और धान के लिए विख्यात छत्तीसगढ़ अब ऊर्जा, गारमेंट, न्यू डेटा सेंटर और फार्मा के राज्य के रूप में भी उभर चुका है। निश्चित तौर पर इसके लिए राज्य की दोनों प्रमुख पार्टियों की सरकारों का योगदान रहा है। आज छत्तीसगढ़ महिला कल्याण, संस्कृति और किसान कल्याण योजनाओं ने भी राज्य की तसवीर बदलने में बड़ी भूमिका निभाई है। अलग राज्य बनने से पहले राज्य की सिंचाई क्षमता 13.28 लाख हेक्टेयर थी, वह अब बढ़कर 21.76 लाख हेक्टेयर पहुंच गई है।राज्य की सालाना कृषि विकास दर 7.8 प्रतिशत हो गई है। पिछले पच्चीस सालों में रायपुर, भिलाई, कोरबा और रायगढ़ राज्य के बड़े औद्योगिक इलाके के रूप में विकसित हुए हैं। कभी जहां बंदूकों की आवाज गूंजती थी, वहां अब विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। राज्य में चहुंओर बदलाव दिख रहा है। अपेक्षाकृत सहज माने जाने वाला राज्य का बहुसंख्यक आदिवासी समुदाय भी मुख्यधारा में नजर आ रहा है। गुरूद्वारे के लंगर के सहारे जिस अलग राज्य की मांग राजधानी दिल्ली में परवान चढ़ी थी, वह राज्य अब नई कहानियां लिख रहा है। राजनीतिक तौर पर राजनीतिक नैरेटिव के हिसाब से सवाल हो सकते हैं। लेकिन उन सवालों के बावजूद एक तथ्य समान है, वह कि राज्य ने चौथाई सदी में बहुत कुछ हासिल किया है। इसका यह मतलब नहीं कि और कुछ हासिल किया जाना बाकी नहीं है। राज्य के पास जैसी संपदा है, जिस तरह के प्राकृतिक स्थल हैं, उनकी वजह से वहां विकास की अनंत संभावनाएं हैं। पर्यटन की दिशा में अब भी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। केरल से कम सुंदर नहीं है छत्तीसगढ़। उस प्राकृतिक सौंदर्य के सैलानी नजरिये से दोहन की काफी गुंजाइश है। उम्मीद की जानी चाहिए कि राज्य इस दिशा में जरूर आगे बढ़ेगा। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आस्था को राजनीति की सीढ़ी बना रहे जेडी वेंस ने पत्नी उषा समेत पूरे हिंदू समुदाय का अपमान किया

(नीरज कुमार दुबे)

कुछ साल पहले तक यही जेडी वेंस अपनी पत्नी की आस्था की सराहना करते थे। वह कहते थे कि उषा ने उन्हें ईश्वर और प्रार्थना की ओर लौटने की प्रेरणा दी। उनकी किताब ॥द्बद्यद्यड्ढद्बद्यद्य4 श्वद्यद्गद्द4 में भी उषा की भूमिका को उनकी आध्यात्मिक यात्रा का केंद्र बताया गया था।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की टिप्पणी ने एक बार फिर दिखा दिया है कि जब धर्म राजनीति का औज़ार बन जाता है, तो सबसे पहले सम्मान और संवेदनशीलता की बलि चढ़ती है। मिसिसिपी में हुए टर्निंग पाइंट यूएसए कार्यक्रम में वेंस ने कहा कि उनकी पत्नी उषा वेंस, जो जन्म से हिंदू हैं, 'धार्मिक नहीं थीं' और वह उम्मीद करते हैं कि 'एक दिन वह भी ईसा मसीह में विश्वास करेंगी।' यह सुनते ही दुनियाभर के हिंदू समुदाय में नाराज़गी फैल गई।

कुछ साल पहले तक यही जेडी वेंस अपनी पत्नी की आस्था की सराहना करते थे। वह कहते थे कि उषा ने उन्हें ईश्वर और प्रार्थना की ओर लौटने की प्रेरणा दी। उनकी किताब ॥द्बद्यद्यड्ढद्बद्यद्य4 श्वद्यद्गद्द4 में भी उषा की भूमिका को उनकी आध्यात्मिक यात्रा का केंद्र बताया गया था। पर अब वही व्यक्ति अपनी पत्नी के धर्म को 'अधूरा' बताने लगे हैं क्योंकि आज वह राजनीति के ऐसे दौर में हैं, जहाँ धर्म सिर्फ़ आस्था नहीं, बल्कि चुनावी हथियार बन चुका है।

हम आपको बता दें कि 2014 में जब जेडी और उषा वेंस का विवाह हुआ था, तब वह आधुनिक अमेरिका में सांस्कृतिक और धार्मिक सहअस्तित्व की मिसाल माना गया। शादी में वैदिक मंत्र भी थे और चर्च के गीत भी। वेंस उस समय गर्व से कहते थे कि उनकी पत्नी के हिंदू संस्कारों ने उन्हें विनम्रता और ईश्वर के करीब रहना सिखाया। लेकिन अब, जब वह ट्रम्प समर्थक कट्टर दक्षिणपंथी राजनीति के केंद्र में हैं, तो वही उषा की आस्था कमज़ोरी के रूप में दिखाई जाने लगी है। यह बदलाव सिर्फ़ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि उस राजनीतिक दबाव का नतीजा है जहाँ हर नेता से उम्मीद की जाती है कि वह ईसाई पहचान को खुलकर प्रदर्शित करे।

दूसरी ओर, अमेरिका और भारत, दोनों जगह के हिंदू संगठनों ने वेंस के बयान को 'धार्मिक अहंकार' बताया है। हिन्दू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने सीधा सवाल पूछा है कि जब वेंस अपनी पत्नी की आस्था से प्रेरित होकर खुद ईश्वर में लौटे, तो अब वह हिंदू धर्म को कमतर क्यों दिखा रहे हैं? संस्था ने यह भी याद दिलाया कि हिंदू धर्म में किसी को अपने धर्म में 'लाने' की कोई आवश्यकता नहीं मानी जाती। हिंदू दर्शन बहुलता और सह-अस्तित्व पर टिका है– यह मानता है कि सत्य एक है, परंतु उसे पाने के कई मार्ग हैं। इसके विपरीत, वेंस का कहना है कि वह उम्मीद करते हैं कि उनकी पत्नी 'कभी ईसा को अपनाएँगी', इस विचारधारा के बिल्कुल खिलाफ़ है। देखा जाये तो असल समस्या यह नहीं कि वेंस ईसाई हैं; समस्या यह है कि उन्होंने अपनी पत्नी के विश्वास को कमतर दिखाकर अपनी धार्मिक श्रेष्ठता साबित करने की कोशिश की। यही बात हिंदू समुदाय के लिए अपमानजनक है।

वैसे जेडी वेंस का यह बयान अमेरिकी राजनीति के एक बड़े बदलाव का संकेत है, जहाँ आस्था अब निजी नहीं रही, बल्कि सार्वजनिक प्रदर्शन का विषय बन गई है। एमएजीए (मैक अमेरिकन ग्रेट अगेन) आंदोलन के भीतर अब धर्म केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि पहचान और वोट का प्रतीक बन चुका है। वेंस का यह कहना कि ईसाई होना मतलब दूसरों के साथ अपने विश्वास को साझा करना इस मानसिकता को दिखाता है, जिसमें साझा करना दरअसल मनवाना बन गया है। ऐसी सोच में धार्मिक स्वतंत्रता की जगह धार्मिक श्रेष्ठता ले लेती है। उषा वेंस अब तक सार्वजनिक रूप से बहुत कम बोलती हैं। लेकिन जो लोग उन्हें जानते हैं, वह कहते हैं कि वह एक शांत, दृढ़ और सहिष्णु व्यक्तित्व हैं। उन्होंने कभी अपने पति से यह नहीं कहा कि वह हिंदू बनें, न ही अपनी संस्कृति को छोड़ें। उनके जीवन में धर्म एक संतुलन और संवाद का माध्यम रहा है। इस पृष्ठभूमि में जेडी वेंस का बयान न केवल उनके प्रति अन्याय है, बल्कि उन लाखों अंतरधार्मिक परिवारों का भी अपमान है जो प्रेम और परस्पर सम्मान पर टिके हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि जब धर्म प्रचार बन जाए, तो प्रेम खो जाता है। जेडी वेंस की यह टिप्पणी यह दिखाती है कि राजनीतिक महत्वाकांक्षा कैसे व्यक्तिगत रिश्तों और धार्मिक संवेदनाओं को निगल जाती है। जो व्यक्ति कभी अपनी पत्नी के धर्म से प्रेरणा लेता था, आज उसी धर्म को अधूरा बताकर अपने वोटरों को खुश कर रहा है। यह घटना सिर्फ़ अमेरिका के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक चेतावनी है कि जब धर्म संवाद की जगह प्रचार का माध्यम बन जाता है, तो सत्य की जगह सत्ता ले लेती है।

मानसून की आपदाओं के बाद अब चरम सर्दियों का सायरन

(जयसिंह रावत)

मानसून की तबाही अभी ताजा है। इस साल भारी वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन ने हिमालयी राज्यों में जो तबाही मचाई उसकी भरपाई में ही कई साल लगेंगे। लेकिन जैसे ही बादल छँटे, अब सर्दी का एक नया डरावना चेहरा सामने आने लगा है। भारतीय मौसम विभाग ने इस वर्ष सामान्य से अधिक कठोर सर्दी की संभावना जताई है।

ला नीना प्रभाव के कारण इस बार अत्यधिक ठंड, असामान्य शीतलहरें और भारी हिमपात की आशंका जताई गयी है। इसका सीधा असर हिमालयी राज्यों पर पड़ेगा, जहां हिमस्खलन की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

यह केवल यात्रियों और पर्यटकों के लिए ही नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों, सेना और निर्माण कार्यों के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है। सियाचिन सहित भारत तिब्बत सीमा स्थित सेना की चौकियों की चुनौतियों को ये सर्दियां काफी बढ़ा सकती है।

अब ला नीना के कोप का खतरा: दरअसल, ला नीना एक ऐसी जलवायु घटना है, जो प्रशांत महासागर के पूर्वी भाग में समुद्र की सतह के तापमान में गिरावट के कारण उत्पन्न होती है। यह एल नीनो का विपरीत रूप है। एल नीनो जहां भारत के मानसून को कमजोर बनाता है, वहीं ला नीना उसे प्रबल करता है, परंतु सर्दियों में ठंड को अत्यधिक बढ़ाता भी है।

अमेरिकी राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) के अनुसार, 2025 के अंत तक ला नीना के विकसित होने की 71 प्रतिशत संभावना है, जो दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 तक सक्रिय रह सकती है।

भारतीय मौसम विभाग के विशेषज्ञों का भी यही अनुमान है कि उत्तर भारत में तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री कम रहेगा, लंबी शीतलहरें चलेंगी और हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी सामान्य से कहीं अधिक होगी।

हिमालयी राज्यों में एवलांच का डर: इसका अर्थ है कि पश्चिमी विक्षोभ अधिक सक्रिय रहेंगे, जिसके परिणामस्वरूप दिसंबर से अप्रैल तक हिमालयी ढलानों पर तीन से पाँच मीटर तक बर्फ जम सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि कमजोर ला नीना भी बर्फबारी में 20 से 30 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है, जिससे हिमस्खलन की संभावना दोगुनी हो जाती है।

जलवायु परिवर्तन ने इस जोखिम को और जटिल बना दिया है। गर्मियों की गर्मी से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जबकि सर्दियों में वर्षा के साथ बर्फ गिरने से हिमस्तर अस्थिर होता जा रहा है।

हिमस्खलन तब होता है जब किसी ढलान पर जमा बर्फ, हिमखंड या चट्टान अचानक खिसक पड़ती है। इसके मुख्य कारणों में अत्यधिक बर्फबारी, तापमान में तीव्र उतार-चढ़ाव, मानवजनित गतिविधियाँ जैसे सड़क निर्माण या विस्फोट, और जलवायु परिवर्तन से बढ़ती वर्षा शामिल हैं। चण्डीगढ़ स्थित स्नो एंड एवेलांच स्टडी एस्टैब्लिशमेंट (एसएएसई) के अनुसार, ला नीना के वर्षों में हिमालय में हिमस्खलन की घटनाएं सामान्य वर्षों की तुलना में 15 से 20 प्रतिशत अधिक होती हैं।

दिसंबर से मार्च का समय उत्तरमुखी 25 से 45 डिग्री ढलानों वाले क्षेत्रों में एवलांच का खतरा चरम पर माना जाता है।

सदियों की आपदाओं की भयानक यादें: पिछले वर्षों में हिमालय इन भयावह घटनाओं का साक्षी रहा है। फरवरी 2021 में उत्तराखंड के चमोली जिले की ऋषिगंगा घाटी में 27 मिलियन घनमीटर बर्फ और चट्टानों का स्खलन हुआ, जिसने मलबे की बाढ़ का रूप ले लिया। इस हादसे में दो सौ से अधिक लोग मारे गए और परियोजनाओं को हजारों करोड़ रुपये की क्षति हुई।

अक्टूबर 2022 में उत्तरकाशी में नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के प्रशिक्षुओं पर हिमस्खलन टूटने से 27 ट्रैकर्स की मौत हुयी। फरवरी 2025 में चमोली के माणा गांव के निकट सीमा सड़क संगठन के शिविर पर बर्फ का पहाड़ टूट पड़ा, जिसमें 54 मजदूर दब गए।

आठ की मृत्यु हो गई और 46 को 36 घंटे के अभियान के बाद ड्रोन और हेलीकॉप्टर की मदद से बचाया गया। अप्रैल 2023 में सिक्किम की लाचेन घाटी में 16 पर्यटक मारे गए और 370 लोगों को बचाया गया। सियाचिन जहां भारत की सेना स्थाई रूप से तैनात है वहां ऐसी घटनायें आम हैं। दरअसल, ये घटनाएं केवल जानें ही नहीं लेता, बल्कि सड़कें, पुल, विद्युत आपूर्ति और जलस्रोतों को भी महीनों तक ठप कर देता है। वर्ष 2020 से 2025 के बीच 250 से अधिक लोगों की मृत्यु ऐसे हादसों में हुई है। पश्चिमी हिमालय में सर्वाधिक जोखिम

एवलांच हादसों के लिये हिमालय के पश्चिमी और मध्य भाग सबसे अधिक जोखिम में हैं। उत्तराखंड के चमोली, उत्तरकाशी, बद्रीनाथ और केदारनाथ मार्ग, हिमाचल प्रदेश के मनाली, रोहतांग पास, लाहौल-स्पीति क्षेत्र, जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग, द्रास, कारगिल और सियाचिन ग्लेशियर, तथा सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के युमथांग और तवांग क्षेत्र अत्यधिक संवेदनशील हैं।

ये सभी क्षेत्र 3,000 से 6,000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित हैं, जहां पर्यटन, तीर्थयात्रा और सीमावर्ती सड़क निर्माण लगातार जारी है। इन इलाकों में लगभग एक करोड़ लोग निवास करते हैं, जिनमें लाखों की आजीविका सीधे बर्फ से जुड़ी है। स्थानीय निवासी जैसे चरवाहे, किसान और सेब उत्पादक, बर्फ पर निर्भर हैं, लेकिन हिमस्खलन उनके खेतों और घरों को बर्बाद कर देता है। बर्फबारी पहाड़ी पर्यटन का एक आवश्यक हिस्सा है जो कि मसूरी, औली, शिमला और गुलमर्ग जैसे पर्यटन स्थलों पर लाखों प्र्यटकों को आकर्षित करता है। लेकिन अति होने पर यही बर्फबारी हादसों का कारण भी बनती है। सीमा पर तैनात सैनिकों और सीमा सड़क संगठन के मजदूरों के लिए भी यह घातक स्थिति बनती है।

सावधानी में ही सबसे बड़ा बचाव: हिमस्खलन को रोका नहीं जा सकता, लेकिन सावधानी और तैयारी से इसके प्रभाव को कम किया जा सकता है। एसएएसई और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की सलाह है कि पर्वतीय यात्राओं से पहले हिमस्खलन चेतावनी बुलेटिन देखें, ढलानों से दूर रहें, और सुरक्षा उपकरण जैसे लोकेशन बीकन, जांच छड़ और फावड़ा साथ रखें।

गांवों में प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली लगाना और भारी बर्फबारी के बाद कम से कम 48 घंटे तक अनावश्यक आवाजाही से बचना आवश्यक माना जाता है। सरकार को भी सीमावर्ती सड़कों की डिजाइन को सुदृढ़ बनाना, सुरंगें और अवरोधक बनाना, तथा ग्लेशियरों की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करनी चाहिए।

2025 में आ चुकीं एवलांच आपदाएं: सन्तोष का विषय है कि भारत में इस दिया में प्रगति हो रही है। इसी साल 28 फरबरी को चमोली के माणा एवलांच हादसे में सेना, आईटीबीपी और एनडीआरएफ ने ड्रोन, थर्मल कैमरा और हेलीकॉप्टर की मदद से 46 मजदूरों को जीवित निकाला। एसएएसई अब 50 से अधिक निगरानी केंद्रों के माध्यम से वास्तविक समय में हिमस्खलन पूर्वानुमान जारी कर रहा है। फिर भी चुनौतियां बाकी हैं। दुर्गम भूभाग, अत्यधिक ठंड और सीमित संसाधन। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु-अनुकूल नीतियां और जोखिम भरे निर्माण पर रोक ही भविष्य की सुरक्षा की कुंजी हैं।

डॉ. राजाराम त्रिपाठी को मिलेगा विशेष सम्मान

जड़ी-बूटी क्रांति से अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले किसान

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल की मिट्टी में सफलता की नई इबारत लिखने वाले प्रसिद्ध जैविक किसान डॉ. राजाराम त्रिपाठी को तत्कालीन बस्तर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रिटायरीज एसोसिएशन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें 9 नवंबर को कांकेर में आयोजित पूर्ववर्ती बस्तर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारी के समारोह में प्रदान किया जाएगा। डॉ. त्रिपाठी ने अपने करियर की शुरुआत तत्कालीन बस्तर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित) में प्रबंधक (मैनेजर) के रूप में की थी। बैंक सेवा के दौरान ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों की समस्याओं को नज़दीक से समझने के बाद उन्होंने बैंक की नौकरी छोड़कर कृषि और औषधीय पौधों की खेती में कदम रखा। यही निर्णय आगे चलकर न केवल उनके जीवन का बल्कि पूरे देश के किसानों का मार्गदर्शन बन गया। बस्तर के कोंडागांव जिले के अपने फार्म पर डॉ. त्रिपाठी ने अनेक दुर्लभ तथा विलुप्तप्राय औषधीय और मसालेदार पौधों की जैविक खेती प्रारंभ की, जिनमें मुख्य रूप से काली मिर्च, सफेद मूसली, सिंदूर अथवा एनाटो, अश्वगंधा, शतावरी, और तुलसी जैसी जड़ी-बूटियाँ शामिल हैं। उनके प्रयासों से बस्तर की धरती पर सैकड़ों किसान औषधीय खेती की ओर प्रेरित हुए हैं। डॉ. त्रिपाठी न केवल खेती करते हैं, बल्कि किसानों को प्रशिक्षण, बीज उपलब्धता और बाजार तक पहुँच की सुविधा भी प्रदान करते हैं। डॉ. राजाराम त्रिपाठी के नवाचारों और समर्पण ने उन्हें भारत के शीर्ष जैविक किसानों की श्रेणी में ला खड़ा किया है। उन्हें राष्ट्रीय कृषि पुरस्कार, कृषि रत्न, और ग्लोबल ऑर्गेनिक फार्मिंग अवार्ड जैसे अनेक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। डॉ. त्रिपाठी ने 'सेंट्रल हर्बल एग्रो मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया' तथा अखिल भारतीय किसान महासंघ आईफा की स्थापना कर देश भर के किसानों को संगठित किया है। रिटायरीज एसोसिएशन द्वारा आयोजित यह सम्मेलन पूर्ववर्ती बस्तर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों का पुनर्मिलन भी है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के पदाधिकारी, सेवानिवृत्त अधिकारीगण तथा क्षेत्र के अनेक किसान उपस्थित रहेंगे। ज्ञातव्य होगी की बस्तर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अमलगमेंशन के बाद छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक बन गया है। इस अवसर पर डॉ. राजाराम त्रिपाठी को हमर गौरव सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। डॉ. त्रिपाठी का जीवन उन सभी के लिए प्रेरणास्रोत है जिन्होंने अपने करियर के पारंपरिक मार्ग से हटकर कुछ नया करने का साहस दिखाया। बैंक अधिकारी से एक सफल अंतरराष्ट्रीय स्तर के किसान बनने तक का उनका सफर इस बात का प्रमाण है कि समर्पण, प्रयोग और सकारात्मक सोच से कोई भी व्यक्ति अपने क्षेत्र में क्रांति ला सकता है।

मंत्री केदार कश्यप ने अपने जन्मदिन पर मड़ानार में स्कूली बच्चों को दिया नेवता भोज

कोण्डागांव। कोण्डागांव विकासखंड के ग्राम मड़ानार में स्थित शासकीय उच्च प्राथमिक शाला में वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने अपने जन्मदिन के अवसर पर बच्चों के साथ नेवता भोज कर दिन को यादगार बनाया। इस विशेष अवसर पर मंत्री ने बच्चों के साथ बैठकर खीर, पूरी, दाल, भात और पनीर का स्वाद लिया। मंत्री कश्यप ने बच्चों से आत्मीय संवाद भी किया। उन्होंने विद्यार्थियों से सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न पूछे, जैसे छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना कब हुई, राज्य के निर्माता कौन हैं, देश के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति का नाम क्या है। बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ सही उत्तर देकर मंत्री को प्रभावित किया। बातचीत के दौरान मंत्री कश्यप ने कहा कि उनके जीवन का विशेष दिन है क्योंकि उन्होंने इसे बच्चों के साथ बिताने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा - पहली बार हमारी बेटियों ने वर्ल्ड कप जीता है, यह पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। मैं चाहता हूँ कि आप सभी भी उन्हीं बेटियों की तरह मेहनत करें, अपने माता-पिता और समाज का नाम रोशन करें। मंत्री ने आगे कहा कि वे आशा करते हैं कि जब आने वाले 15-16 वर्षों बाद वे इन बच्चों से दोबारा मिलें, तो हर बच्चा किसी न किसी जिम्मेदार पद पर रहकर समाज और देश की सेवा कर रहा हो। उन्होंने इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने कुपोषण के खिलाफ 'नेवता भोज' कार्यक्रम की शुरुआत की है, जिसके माध्यम से बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह कार्यक्रम न केवल पोषण का प्रतीक है बल्कि समाज में समानता और अपनत्व की भावना को भी मजबूत करता है।

ग्राम नगरी में मंत्री केदार कश्यप ने किए विकास कार्यों का भूमिपूजन, छत्तीसगढ़ विकास के नए युग की ओर अग्रसर

कोण्डागांव। कोण्डागांव विकासखंड के ग्राम नगरी में वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण किया। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ अब तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है और ग्राम पंचायतें इस परिवर्तन की मजबूत कड़ी बन रही हैं। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत गोलावंड में उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण कार्य तथा ग्राम पंचायत नगरी में नवीन पंचायत भवन निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया।

ग्रामीणों में इस अवसर को लेकर उत्साह का माहौल रहा। ग्राम पंचायत नगरी के सरपंच ने शासन और जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नए पंचायत भवन के निर्माण से ग्राम स्तर पर प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और सुविधा बढ़ेगी। इस दौरान मंत्री केदार कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ अब धीरे-धीरे बदल रहा है। आधे से अधिक कार्य ग्राम पंचायत स्तर पर ही पूरे हो रहे हैं, और पंचायत भवन वास्तव में विकास की नींव बन रहे हैं। उन्होंने रजत महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कभी गरीबी और भुखमरी से जूझता छत्तीसगढ़ आज विकास की नई कहानी लिख रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हर वर्ग के हित में योजनाएं लागू की जा रही हैं। सरकार ने वनोपज संग्रहण में तेंदूपत्ता का समर्थन मूल्य बढ़ाया है, किसानों को धान का अधिक दाम मिल रहा है, और महिलाओं के लिए आजीविका संवर्धन की अनेक योजनाएं शुरू की गई हैं। उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, नल-जल जैसी योजनाओं ने ग्रामीण जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाया है। मंत्री कश्यप ने कहा कि बस्तर अब विकास की राह पर अग्रसर है। नक्सलवाद समाप्ति की ओर है और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। पहले जहां मेडिकल शिक्षा के लिए रायपुर जाना पड़ता था, अब बस्तर संभाग में मेडिकल कॉलेज खुल चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि विकास का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचे।

कलेक्टर ने राज्योत्सव में लगाए गए विभागीय स्टॉलों का किया अवलोकन

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नारायणपुर जिले में रजत जयंती वर्ष 2025 एवं राज्योत्सव 02 से 04 नवम्बर तक मनाया जा रहा है। यह अवसर जिलेवासियों के लिए गर्व का क्षण रहा, जब पूरा नगर छत्तीसगढ़ की गौरवशाली विकास यात्रा और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के उत्सव में सहभागी बना। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर शासकीय बालक विद्यालय मैदान में राज्योत्सव समारोह स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक प्रदर्शनी एवं झांकियां लगाई गई है। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और सभी विभागों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में शासन की सभी महत्वपूर्ण योजनाओं और उपलब्धियों को सजीव रूप में प्रदर्शित किया गया है। समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए स्वादिष्ट व्यंजनों का कलेक्टर ने स्वाद चखते हुए ऑनलाइन भुगतान कर व्यंजन खरीदे। और सभी स्टॉलों में ऑनलाइन भुगतान की सुविधा रखने का सुझाव दिया।

नई राह-माओवाद वर्दी की जगह अब होटल की यूनिफॉर्म, नई जिंदगी की शुरुआत

30 आत्मसमर्पित माओवादी सदस्यों को दिया जा रहा अतिथि सत्कार का प्रशिक्षण

जगदलपुर। बीजापुर जिले के माओवादियों ने जब आत्मसमर्पण किया, तब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील सरकार ने भी इन आत्मसमर्पित माओवादियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सकारात्मक कदम उठाए।

जगदलपुर के निकट आड़ावाल में लाइवलीहुड कॉलेज में इन 30 आत्मसमर्पित माओवादियों को पुनर्वास कार्ययोजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत गेस्ट सर्विस एसोसिएट का व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह पहल न केवल इन पूर्व माओवादी सदस्यों को आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि बस्तर के पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास भी कर रही है। ये 30 आत्म समर्पित माओवादी जो कभी घने जंगलों में हिंसा के रास्ते पर थे, लाइवलीहुड कॉलेज के कैंपस में ग्राहक सवाद, होटल मैनेजमेंट और सॉफ्ट स्किल्स सीख रहे हैं। करीब 3 महीने के इस कोर्स में उन्हें होटल इंडस्ट्री की बारीकियां सिखाई जा रही हैं, ताकि वे बस्तर के होमस्टे, रिसॉर्ट्स और टूरिस्ट स्पॉट्स में आत्मविश्वास से काम कर सकें।

एक पूर्व माओवादी रामू (परिवर्तित नाम) ने भावुक होकर कहा कि बस्तर के जंगल में हिंसा की जिंदगी ने सिर्फ दर्द दिया, अब लाइवलीहुड कॉलेज में सीखकर लगता है।

असली आजादी यहीं है। अब स्वयं मेहनत कर घर-परिवार को खुशहाल बनाएंगे। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अमल से अब तक हजारों युवा सशक्त हो चुके हैं। बीजापुर जैसे संवेदनशील इलाकों में यह पुनर्वास का सुनहरा मॉडल साबित हो रहा है। नक्सल मुक्त बस्तर की दिशा में यह कदम मील का पत्थर है, जहां हिंसा की जगह विकास और रोजगार की कहानी लिखी जा रही है।

विधायक लता उसेंडी ने 05 हितग्राहियों को सौंपी आवास की चाबी

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत महोत्सव के अवसर पर जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम में जिले के 05 हितग्राहियों को नए आवास की सौगात मिली है। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और स्थानीय विधायक लता उसेंडी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों के अवलोकन के दौरान उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के स्टाल में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 05 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी। इन हितग्राहियों में धनोरा निवासी रतो बाई, कुदुर निवासी सुरेखा कश्यप और केजेंग निवासी गांडोराम नेताम शामिल है, जिन्हें नक्सल प्रभावितों के लिए विशेष परियोजना के तहत पक्का आवास मिला है। इसी प्रकार दहिकोंगा निवासी बुद्धिमनी दीवान और बनियागांव निवासी मंगल राम भी शामिल है।

बैलाडीला व्यापारी कल्याण संघ का चुनाव सम्पन्न, संदीप अध्यक्ष व साहिल सचिव पद पर निर्वाचित

किरंदुल। बैलाडीला व्यापारी कल्याण संघ का चुनाव सोमवार को सम्पन्न हुआ। उक्त चुनाव में कुल 463 में से 453 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। चुनाव में तीन पैनलों और एक स्वतंत्र अध्यक्ष उम्मीदवार के बीच मुकाबला था। चुनाव के बाद शाम 05 बजे से कुल 9 दौर में 50-50 वोटों की गिनती की गई, जहां हर दौर में कड़ी टक्कर देखने को मिली एवम रात 10 बजे परिणाम की घोषणा की गई। जिसमें अध्यक्ष पद पर संदीप साव, उपाध्यक्ष सुभाष हलदर,अनिशा प्रदीप शंकरन, कोषाध्यक्ष के रघु राव सचिव साहिल छलिवाल सह-सचिव बप्पी मजूमदार, संदीप गुप्ता विजयी हुए।

आश्रम छात्रावासों के निरीक्षण में लापरवाही बरतने वाले नोडल अधिकारियों पर होगी कड़ी कार्यवाही : कलेक्टर

नारायणपुर। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समय-सीमा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। साथ ही निर्माणाधीन विकास कार्यों में गति लाकर कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने जिले के सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल एवं शौचालय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नियुक्त नोडल अधिकारियों को जिले के आश्रम छात्रावासों का नियमित निरीक्षण करने और वहां की आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बस्तर ओलंपिक को सफल बनाने में सहभागिता निभाएं। आश्रम छात्रावासों के निरीक्षण में लापरवाही बरते वाले नोडल अधिकारियों पर कड़ी कार्यवाही होगी। स्वीकृत निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में सीएसआर परियोजनाओं, आश्रम छात्रावासों के निरीक्षण तथा जाति, निवास, आय और जन्म प्रमाण पत्र वितरण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम तथा स्कूलों में खेल मैदान, शौचालय, पेयजल और विद्युत जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की जानकारी लेते हुए सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

गोदावरी इस्पात कंपनी की जनसुनवाई का आदिवासी समाज करेगा विरोध

जनसुनवाई से पहले ही 5000 से अधिक पेड़ों की कटाई, शासन के नियमों की उड़ी धज्जियाँ : रमल कोरम

भानुप्रतापपुर। कच्चे में प्रस्तावित गोदावरी इस्पात प्रायवेट लिमिटेड कंपनी की जनसुनवाई को लेकर क्षेत्र में विरोध की लहर तेज़ हो गई है। ग्राम पंचायत भैसाकन्हार के सरपंच रमल कोर्राम ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कंपनी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कंपनी शासन के नियमों, कानूनों और पर्यावरणीय मापदंडों का खुला उल्लंघन कर रही है वहीं आघे रमल कोर्राम ने बताया कि कंपनी ने जनसुनवाई से पहले ही 5000 से अधिक पेड़ कटवा दिए हैं जो कि पूरी तरह गैरकानूनी है। उन्होंने कहा कि यह कृत्य स्थानीय आदिवासी समुदाय की भावनाओं और पर्यावरण दोनों के साथ खिलवाड़ है। बस्तर संभाग पांचवीं अनुसूची के तहत संरक्षित क्षेत्र है, जहाँ पेसा कानून और वनाधिकार कानून लागू हैं। इसके बावजूद गोदावरी इस्पात कंपनी इन

सभी संवैधानिक प्रावधानों की अनदेखी कर खनिज संपदा की लूट में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि कंपनी द्वारा आदिवासी भूमि और जंगलों पर कब्जे की कोशिश की जा रही है, जो संविधान और कानून दोनों के खिलाफ है।

जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा- रमल कोरम ने कहा कि चाहे सरगुजा हो या बस्तर, आदिवासी समाज हमेशा से जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए संघर्षरत रहा है। अब कांकेर जिले में भी यही लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा, कंपनी की मंशा लूट और दादागिरी की है। हम आदिवासी समाज इस षड्यंत्र को भांप चुके हैं और इसे किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देंगे।

13 नवम्बर को जनसुनवाई में होगा जबरदस्त विरोध- रमल कोरम ने घोषणा की कि 13 नवम्बर को प्रस्तावित जनसुनवाई के दौरान आदिवासी समाज व्यापक विरोध प्रदर्शन करेगा। उन्होंने कहा कि यह जनसुनवाई सिर्फ दिखावा है, जबकि कंपनी पहले से ही क्षेत्र में अवैध गतिविधियाँ कर रही है। उन्होंने क्षेत्र की जनता से अपील की कि वे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी आवाज़ बुलंद करें और अपने जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए एकजुट हों।

कृषि यन्त्रों के परिचालन एवं महत्व पर कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कांकेर। कृषि क्षेत्र में कृषि यंत्रीकरण का उपयोग विभाग फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत कृषि यंत्रीकरण का उपयोग विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र कांकेर में प्रशिक्षण कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बीरबल साहू ने कृषि अभियांत्रिकी का कृषि में महत्व के बारे में जानकारी दी। तत्पश्चात प्रमुख परियोजना अन्वेषक एवं विभागाध्यक्ष फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर डॉ. राजेश कुमार नायक द्वारा खेत की तैयारी एवं बुवाई हेतु विभिन्न कृषि यंत्रों का उपयोग के संबंध में चर्चा की गई।

9 माह से वेतन नहीं : आश्रम-छात्रावास के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी भुखमरी की कगार पर

भानुप्रतापपुर। आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित भानुप्रतापपुर ब्लॉक के आश्रम और छात्रावासों में कार्यरत दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है। छत्तीसगढ़ लघु वेतन कर्मचारी संघ के विभागीय सचिव राजकुमार नेताम ने बताया है कि इन कर्मचारियों को पिछले 9 माह से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। वेतन न मिलने के कारण कर्मचारियों के सामने परिवार चलाने का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। राजकुमार नेताम ने बताया कि स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि दुकानदारों ने भी राशन-सामग्री देना बंद कर दिया है। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के घरों में भुखमरी जैसी स्थिति पैदा हो गई है और उन्हें भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। आश्रम-छात्रावास में कार्यरत कर्मचारियों को 9 माह का रुका वेतन तुरंत देने की मांग किया जा रहा है ।।एक महीने वेतन नहीं मिलने से हाहाकार मच जाती है, और दैनिक वेतन भोगियों को 9 माह से वेतन नहीं मिला है सोचने वाली बात है, वे कैसे काम करते होंगे, उनके बच्चे क्या खाते होंगे, और उनकी पढ़ाई में कितनी दिक्कतें आ रही होंगी।

अधिकारियों पर कार्रवाई

लापरवाही बरतने वाले और बजट के अभाव का झूठा हवाला देने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो। भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए वेतन के नियमित भुगतान हेतु एक स्थायी तंत्र स्थापित किया जाए। यह मामला आदिम जाति कल्याण विभाग की अमानवीय कार्यप्रणाली पर एक बड़ा सवाल खड़ा करता है, जहां एक ओर सरकार जन कल्याण की बात करती है, वहीं दूसरी ओर गरीबों की सेवा करने वाले कर्मचारियों को भुखमरी की कगार पर धकेल दिया जाता है।

अधिकारी दे रहे 'बजट नहीं' होने का हवाला

वेतन भुगतान में हो रही इस घोर लापरवाही को लेकर जब कर्मचारियों ने सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग से संपर्क किया, तो उन्हें 'बजट नहीं होने' का हवाला दिया गया।

9 माह से वेतन न मिलने के बावजूद, विभाग के किसी भी अधिकारी, अधीक्षक या अधीक्षिका ने इन कर्मचारियों की सुध नहीं ली है। यह दर्शाता है कि विभाग को अपने कर्मचारियों के प्रति कितनी संवेदनहीनता है।

आर-पार की लड़ाई की तैयारी

संघ के सचिव राजकुमार नेताम ने विभाग को चेतावनी देते हुए तत्काल वेतन भुगतान की मांग की है। उन्होंने साफ कहा है कि अगर जल्द ही कर्मचारियों का रुका हुआ वेतन जारी नहीं किया गया, तो संघ सभी जिले के कर्मचारियों की बैठक बुलाकर आर-पार की लड़ाई लड़ने के लिए बाध्य होगा।

छत्तीसगढ़ राज्य महोत्सव रजत जंयती कोण्डागांव में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव के द्वारा स्टॉल लगाकर दी गई विधिक जानकारी

कोण्डागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव किरण चतुर्वेदी के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार विकास नगर स्टेडियम कोण्डागांव में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जंयती वर्ष 2025 के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव के द्वारा रजत जंयती के तीसरे दिन स्टाल लगाकर आमजनो को दी विधिक जानकारी। इस स्टाल के माध्यम से आम नागरिकों को विधिक अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं, नेशनल लोक अदालत की प्रक्रिया, कानूनी सहायता हेतु आवेदन की प्रक्रिया तथा महिला, बालक, वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनों के संरक्षण संबंधी विधिक प्रावधानों एवं अन्य विधिक सेवा की गतिविधिकयों के संबंध में पॉम्प्लेट वितरण करते हुए प्रोजेक्टर के माध्यम से लघु फिल्मों को प्रकाशित कर प्रचार-प्रसार किया गया। स्टाल पर विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारियों एवं स्वयंसेवको ने आमजनो को बताया कि हर व्यक्ति को न्याय पाने का समान अवसर प्राप्त है, तथा आर्थिक स्थिति न्याय के मार्ग में बाधा नहीं बननी चाहिए। नागरिको यह भी अवगत कराया गया कि वे निःशुल्क विधिक सहायता हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव से संपर्क कर सकते है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आमजन, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय नागरिकों ने स्टाल का भ्रमण कर जानकारी प्राप्त की।

उपस्थित लोगो को विधिक सेवा संबंधी पॉम्पलेट वितरण किये गए। राज्य उत्सव के दौरान आयोजित यह पहल आमजन में विधिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

छत्तीसगढ़ अग्निशमन विभाग में भर्ती हेतु 6 नवम्बर को होगी अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ अग्निशमन विभाग में विभिन्न संवर्ग के 295 पदों की भर्ती हेतु 06 नवम्बर 2025 से अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा ली जाएगी। इस हेतु प्रवेश पत्र जारी किए गए हैं जिसे अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट से डाऊनलोड कर सकते हैं। समस्त अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे उपरोक्त हेतु प्रवेश पत्र में अंकित निर्धारित तिथि और समय पर नियत स्थान में उपस्थित होकर शारीरिक दक्षता परीक्षा में सम्मिलित होना सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त समाचार

राज्योत्सव के समापन दिवस को भक्ति में डूबा बलरामपुर नमो नमो म्यूजिक बैंड ने बना दिया यादगार

बलरामपुर। राज्योत्सव महोत्सव के अंतिम दिवस कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय मैदान में भक्ति और सुरों की ऐसी अनूठी संगम झंकार सुनाई दी।नमो नमो म्यूजिक मसूप बैंड की भक्ति के सुरों की लय और भावनाओं की गहराई ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया और समापन दिवस को अविस्मरणीय बना दिया। कलाकारों ने श्रीराम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में, एक राधा एक मीरा सहित अन्य भजन की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय कर दिया। उपस्थित दर्शक भावविभोर होकर गीतों के सुरों में डूब गए। संगीत के सुरों के साथ ही ढोलक, हारमोनियम गूंज से दर्शक झूम उठे। साथ ही संध्या कालीन प्रस्तुति में कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। जिसमें स्थानीय कविताकारो ने बढ़-चढ़ का भाग लिया तथा अपनी कविता से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत मे कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा, डीएफओ श्री आलोक कुमार वाजपेयी एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने नमो नमो म्यूजिक मसूप बैंड ग्रुप को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही अंतिम दिवस राज्योत्सव में स्कूली छात्राओं द्वारा कुर्सी दौड़ एवं मटका फोड़ खेल का भी दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया। छात्राओं के उत्साह और ऊर्जा से मैदान में उल्लास का माहौल बन गया। दर्शकों ने तालियों के साथ छात्राओं का हौसला बढ़ाया और पूरे जोश के साथ प्रतियोगिता का आनंद भी लिया।

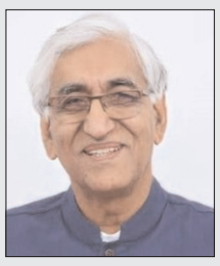

जिला न्यायालय के नये भवन का निर्माण और विस्तार मौजूदा स्थान पर करना व्यवहारिक होगा --टी, एस, सिंह देव

अंबिकापुर/ मौजूदा न्यायालय परिसर में ही जिला न्यायालय के नवीन भवन निर्माण के समर्थन में पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव ने सरगुजा कलेक्टर को पत्र लिखा है। व्यापक जनहित को देखते हुए जिला न्यायालय के नये भवन का निर्माण और विस्तार मौजूदा स्थान पर करना व्यवहारिक होगा। अपने पत्र में उन्होंने यह लिखा है कि वर्तमान न्यायालय भवन कलेक्टोरेट के बगल में है। कलेक्टोरेट में विभिन्न राजस्व न्यायालयों के साथ ही साथ कुटुंब न्यायालय और उपभोक्ता फोरम भी मौजूद है। सरगुजा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से न्यायालयीन और प्रशासनिक कार्य के लिये आने वाले लोगों की सुविधा के अनुसार जिला न्यायालय भवन आदर्श स्थिति में है। यह स्थान प्रतीक्षा बस स्टैंड के बिल्कुल पास है। यहाँ तक लोगों को पैदल चलकर आने में कोई असुविधा नहीं है। साथ ही आवागमन के साधन भी सहज उपलब्ध हैं। इस न्यायालय में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ताओं के पक्ष को राखत हुए उन्होंने कहा कि सभी अधिवक्ता के साथ ही अधिवक्ता संघ एवं अन्य संगठन भी ग्राम चठिरमा में नवीन न्यायालय भवन के निर्माण के लिए भूमि आबंटन का एकमत से विरोध कर रहे हैं। वे मौजूदा स्थल पर ही नवीन न्यायालय भवन के निर्माण की व्यवहारिकता को बेहतर तरीके से समझते हैं। नवीन न्यायालय भवन के लिए पूर्व में यह सुनिश्चित किया गया था कि परिसर से लगी गुलाब कालोनी जो शासकीय कालोनी है को हटाकर निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया है कि व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए पूर्व में तय व्यवस्था के अनुसार मौजूदा स्थान पर ही नवीन न्यायालय भवन का निर्माण प्रारंभ करे।

मामूली विवाद पर महिलओं में खूनी संघर्ष,एक की मौत

दुर्ग। जिले के भिलाई शहर में दो महिलाओं के बीच हुए मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और एक महिला ने दूसरी महिला की हत्या कर दी। घटना रानी तराई थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार घटना सोमवार की है। बताया जाता है कि रानीतराई थानक्षेत्र में रहने वाली दो महिलाओं के बीच किसी घरेलू या व्यक्तिगत विवाद को लेकर उनके बीच कई दिनों से मनमुटाव चल रहा था। सोमवार की दोपहर भी दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन तब तक एक 50 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो चुकी थी।

राज्योत्सव 2025 : जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का शानदार समापन

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में लोक संस्कृति की दिखी झलक विभिन्न कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से मोहा दर्शकों का मन

अंबिकापुर। जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का शानदार समापन बुधवार को हुआ। कार्यक्रम के अंतिम दिन लोक कलाकारों, स्कूली छात्र-छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुतियों ने महोत्सव में चार चांद लगा दिए। देर शाम तक लगातार एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं गीतों का सिलसिला चला। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह, नगर निगम महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी, पार्षद श्री आलोक दुबे, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल,जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लो, स्थानीय जनप्रतिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी, आमजन उपस्थित रहे। समारोह में कलाकरों ने विभिन्न विधाओं के नृत्य शैली और नाटक के माध्यम से छत्तीसगढ़ की कला एवं संस्कृति को प्रदर्शित किया। इस दौरान साइबर एक्सपर्ट भोजराज ने साइब अपराधों के सम्बन्ध में लोगों को बताया। सरगुजिहा लोक गायक संजय सुरीला के लोक गीतों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने सरगुजिहा एवं छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुतियां दीं। हाय रे सरगुजा नाचे...गीत पर दर्शक झूम उठे। इस दौरान रित्विका बनर्जी ने कत्थक नृत्य की प्रस्तुति दी। वहीं स्थानीय कलाकारों में रिदम बेंड द्वारा गीत एवं संगीत की शानदार प्रस्तुति दी गई। गायक रवि पाण्डेय, शशि लता, आंचल मुदलियार, भानुप्रकाश मुखर्जी के गीतों से समा बंधा। इसी क्रम में विशेष श्रीवास्तव द्वारा वाईलन वादन, राधिका दास द्वारा

शास्त्रीय नृत्य का प्रदर्शन किया गया। स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दी प्रस्तुति-छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति व तीज त्यौहारों के साथ ही देशभक्ति गानों की थीम पर थिरकते हुए स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को देखकर उपस्थित दर्शकों ने भी उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान नवोदय विद्यालय द्वारा राजस्थानी नृत्य, कार्मेल स्कूल द्वारा सुआ नृत्य, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय लुण्ड्रा द्वारा गुजराती नृत्य एवं छत्तीसगढ़ नृत्य, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय उदयपुर द्वारा छत्तीसगढ़ नृत्य, एकलव्य विद्यालय रिखी-उदयपुर द्वारा आदिवासी लोक नृत्य, एकलव्य विद्यालय सहनपुर-लुण्ड्रा द्वारा सुघ्घर छत्तीसगढ़, नवीन संगीत महाविद्यालय द्वारा कथक, न्यू डेल्ही पब्लिक स्कूल द्वारा लोक गीत, स्वामी आत्मानंद स्कूल सोहगा द्वारा नागपुरी नृत्य, सेजेस ब्रम्हपारा द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं समूह गान, दशमेश विद्यालय द्वारा गिद्दा नृत्य, नवीन संगीत महाविद्यालय द्वारा संबलपुरी फोग नृत्य, संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ नृत्य प्रस्तुत किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया

बिलासपुर- कृषि विज्ञान केन्द्र बिलासपुर में सतर्कता जागरूकता सफ्ताह मनाया गया। इसमें हमारी साझा जिम्मेदारी थीम के तहत सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र, बिलासपुर के वरिश्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ. गीत शर्मा द्वारा सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को सत्यनिश्ठा की शपथ दिलाई गई। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत शपथ ग्रहण, पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता तथा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस जागरूकता सप्ताह में डॉ. शिल्पा कौशिक, डॉ. अमित शुक्ला, जयंत साहू, डॉ. एकता ताम्रकार, इंजी. पंकज मिंज,हेमकांति बंजारे, डॉ. चंचला रानी पटेल, सुशीला ओहदार, संतोश वर्मा, इंद्राम पटेल एवं राजू कश्यप तथा कृषि महाविद्यालय, बिलासपुर के छात्र-छात्राओं ने अपनी सहभागिता दी।

विविध कार्यक्रमों के साथ एसईसीएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का समापन समारोह 3 नवम्बर को एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर स्थित ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के भूतपूर्व सदस्य (रेलवे ऑपरेशन एवं बिजनेस डेवलपमेंट) रविन्द्र गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। मंच पर निदेशक (तकनीकी-संचालन) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास, निदेशक (वित्त) डी. सुनील कुमार,मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन एवं निदेशक (तकनीकी-योजनाध्परियोजना) रमेश चन्द्र महापात्र तथा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि दुहन ने अपने संबोधन में कहा कि यह पूरे एसईसीएल परिवार के लिए गर्व की बात है कि सतर्कता के क्षेत्र में किए जा रहे हमारे नवाचारपूर्ण प्रयासों को केंद्रीय सतर्कता आयोग ने सराहा है। उन्होंने कहा, 'सफलता तभी संभव है जब हम टीम भावना से कार्य करें और हर स्तर पर ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को आत्मसात करें। 'मुख्य वक्ता गोयल ने कहा कि सतर्कता की जिम्मेदारी केवल कार्यस्थल तक सीमित नहीं है, यह व्यक्ति के पूरे जीवन और परिवार तक विस्तारित होती है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्राप्त करना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही आवश्यक है कि हम सही और नैतिक मार्ग का चयन करें।कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि इस वर्ष की थीम 'सतर्कता हमारी साझा ज़िम्मेदारी' केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक जीवनदृष्टि है। उन्होंने कहा कि सतर्कता सुनिश्चित करना केवल किसी एक विभाग या व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी और खनिक इस जिम्मेदारी की मजबूत कड़ी हैं। जैन ने तीन माह तक चले विशेष सतर्कता अभियान के दौरान विभाग द्वारा की गई गतिविधियों की जानकारी भी दी। समारोह की शुरुआत में अतिथियों ने परिसर में पौधारोपण किया। तत्पश्चात दीप प्रज्ज्वलन और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद कोल इंडिया कॉर्पोरेट गीत प्रस्तुत किया गया

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में लगाया गया विशेष हेल्थ कैम्प

कोरबा। कलेक्टर एवं कोरबा अर्बन पब्लिक सर्विस सोसायटी के अध्यक्ष श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय कोरबा में विशेष हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया तथा विद्यालय के बच्चों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, लैब आधारित परीक्षण किया जाकर उन्हें आवश्यक दवाईयॉ प्रदान की गई एवं आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। कोरबा अर्बन पब्लिक सर्विस सोसायटी के नोडल अधिकारी व निगम के कार्यपालन अभियंता श्री राकेश मसीह ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे '' रजत जयंती महोत्सव '' कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर व सोसायटी के अध्यक्ष श्री अजीत वसंत के कुशल मार्गदर्शन एवं निगम आयुक्त व सोसायटी के सचिव श्री आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में सोसायटी द्वारा विभिन्न स्थलों पर स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसके तहत विभिन्न स्थलों पर स्वास्थ्य शिविर लगाकर मोबाईल मेडिकल यूनिट के माध्यम से लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, लैब आधारित विभिन्न परीक्षण कर उन्हें आवश्यकतानुसार दवाईयॉ उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा शिविर में आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी प्रदान

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने रेल हादसा में घायल लोगों के स्वास्थ्य का लिया जायज़ा

- उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने रेल हादसा में घायल लोगों के स्वास्थ्य का लिया जायज़ा
- बेहतर से बेहतर इलाज करने दिए निर्देश
- घायल लोगों का शहर के 4 अस्पताल में हो रहा इलाज

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज बिलासपुर शहर के विभिन्न अस्पतालों का दौरा कर रेल हादसा में घायल मरीजों की हालत का जायजा लिया। उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ लाभ की कामना की।उन्होंने हादसे पर दुख जताया। श्री साव ने कहा कि पीड़ित परिवारों को राज्य सरकार हरसंभव मदद प्रदान करेगी। उप मुख्यमंत्री ने अस्पताल के डॉक्टरों को बेहतर से बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि कल बिलासपुर के लाल खदान के समीप रेल हादसे में 11 लोगों की मृत्यु और 20 लोग घायल हो गए हैं। घायल लोगों का इलाज शहर के सिम्स, अपोलो, रेलवे अस्पताल और अरपा मेड सिटी अस्पताल में चल रहा है। उप मुख्यमंत्री ने इन सभी अस्पतालों का दौरा कर मरीजों से मुलाकात की और उनके परिजनों को ढाढस दिलाया । इस अवसर पर महापौर पूजा विधानी, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसपी रजनेश सिंह,सिम्स के डिन रमनेश मूर्ति, निगम सभापति विनोद सोनी,नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित रेलवे प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

वंदे मातरम् सामूहिक गायन कार्यक्रम की तैयारी को लेकर आवश्यक बैठक संपन्न

अम्बिकापुर। आज संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में आगामी वंदे मातरम् गीत का सामूहिक गायन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अंबिकापुर के राजमोहिनी भवन में आयोजित होने वाले इस भव्य कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्था, और प्रचार-प्रसार से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई, तथा तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों के लिए आवश्यक ज़िम्मेदारी तय की गई। आगामी कार्यक्रम को लेकर जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने जिला में निवासरत सभी प्रदेश, जिला, मंडल, शक्ति केंद्र, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं, पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारियों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को सफल बनाएं। उन्होंने कहा है कि वंदे मातरम् गीत भारतीय आत्मा का प्रतीक है, और इस सामूहिक गायन से राष्ट्रप्रेम की भावना को और अधिक सशक्त किया जा सकेगा। बैठक में पूर्व जिला

अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के जिला संयोजक ललन प्रताप सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् का सामूहिक गायन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह देशभक्ति और एकता का प्रतीक आयोजन है, जिसमें प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इस अवसर पर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने कहा कि वंदे मातरम् गीत हमारे राष्ट्र की आत्मा से जुड़ा हुआ है। इस सामूहिक गायन के माध्यम से शहर के नागरिकों में देशप्रेम, एकता और गौरव की भावना को सशक्त करने का यह एक प्रेरणादायी अवसर होगा। उन्होंने सभी नगरवासियों से इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता अंबिकेश केशरी ने वंदे मातरम् गीत को शांतिपूर्ण माहौल में शुद्ध उच्चारण के साथ गायन का अपील किया है । जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम के सह संयोजक विनोद हर्ष ने 07नवम्बर 2025 (शुक्रवार) प्रातः 10:00 बजे से राजमोहिनी भवन, अंबिकापुर में होने वाले वंदे मातरम् सामूहिक गायन कार्यक्रम की जानकारी दी। बैठक में महामंत्री अरुणा सिंह, उपाध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला, विकास पांडेय एवं इंदर भगत, जन्मजय मिश्रा, रुपेश दुबे, अनिल जायसवाल, कमलेश तिवारी, मनोज कंसारी, निरंजन राय, अभिषेक सिंहदेव, नीलम राजवाड़े, प्रियंका चौबे, सरिता जायसवाल, जतीन परमार, भूपेन्द्र सिंह, निशांत गुप्ता सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महिला समिति ने हर्षोल्लास के साथ छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस

कोरबा। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सेमीपाली की महिला समिति द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती समारोह का आयोजन बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना और वंदन के साथ की गई। इस अवसर पर सभी उपस्थित महिलाओं ने राज्य गीत 'अरपा पैरी के धार' को सामूहिक रूप से गाया तथा छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण और आरती कर राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को नमन किया। समारोह में पारंपरिक सुआ नृत्य, पंथी नृत्य, कर्मा नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। इसके साथ ही महिलाओं और बच्चों के लिए विविध मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्सव का माहौल छाया रहा और लोगों ने रजत जयंती समारोह का आनंद उल्लासपूर्वक लिया। कार्यक्रम में श्रीमती शशि पाटले, जमुना साहू, सुषमा साहू, गायत्री खूंटे, अश्वनी चैहान, रेखा कुर्रे, लता साहू, प्रीति चैहान, फूल फुल्लर, रेशमा फुलर, पद्मिनी साहू, सीमा साहू, श्वेता डहरिया, जीना कारूश, मुस्कान सिंह, कुमारी चंद्रा, अंजू राठौर और बृहस्पति मानिकपुरी सहित अनेक सदस्यों ने अपनी सक्रिय भागीदारी और विशेष योगदान दिया।

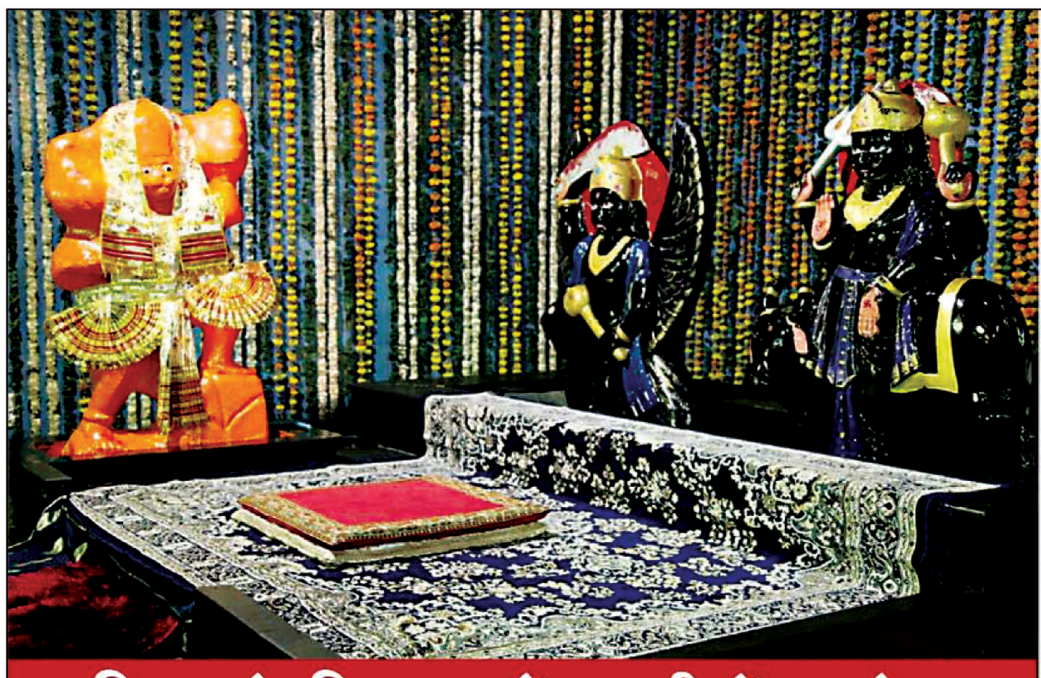

रविवार के दिन न करें इन चीजों का सेवन

कई बार व्यक्ति को अधिक मेहनत करने के बाद भी आर्थिक तंगी का सामान करना पड़ता है। ज्योतिष के अनुसार व्यक्ति रविवार के दिन ऐसे कार्य कर बैठता है जिसके कारण उसे परेशानियों को झेलना पड़ता है। यहां कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताया गया है जिनका सेवन रविवार के दिन नहीं करना चाहिए। रविवार के दिन इन चीजों के सेवन से जहां कुंडली में सूर्य कमजोर होता है वहीं परेशानियां व्यक्ति को घेर लेती है। रविवार के दिन भूलकर भी मसूर की दाल नहीं खानी चाहिए। ये दाल भगवान को भी अर्पित नहीं की जाती। इस दिन मसूर की दाल बनाना और सेवन करना अशुभ माना जाता है।

- इस दिन लाल साग भी न खाएं। लाल साग जल्दी खराब हो जाता है। इसके सेवन से व्यक्ति की उम्र कम हो जाती है।
- कुंडली में सूर्य ग्रह कमजोर है तो रविवार के दिन मछली का सेवन न करें। ऐसा करने से सूर्य मजबूत होता है।
- गुरुवार को लहसून व प्याज नहीं खाना चाहिए। लेकिन परेशानियों के समय रविवार दे दिन भी इन चीजों से परहेज करना चाहिए।
- इसके अतिरिक्त रविवार के दिन अदरक और कांसे के बर्तन में भोजन न खाएं।
- रविवार के दिन नमक का प्रयोग न करें ये अशुभ होता है। इस दिन दूध को भी न जलाएं।

मंगलवार-शनिवार को क्यों किया जाता है ये काम

ज्यादातर घरों में अक्सर देखा गया है कि जब बच्चों को नजर लग जाती है तो उनकी नजर विशेष रूप से मंगलवार या शनिवार के दिन उतारी जाती है। ऐसा क्यों? मंगलवार और शनिवार को 'चीढ़ा' या 'फंडा वार' माना जाता है। तात्पर्य यह है कि प्रत्येक वार का अपना अलग महत्व है। सप्ताह के इन वारों का सीधा संबंध विभिन्न ग्रहों से है, इसलिए जिस ग्रह को शांत करना हो, उससे संबंधित उपाय विशेष वार को किए जाते हैं। प्रत्येक वार के अनुसार नीचे उपाय और टोटके दिए जा रहे हैं।

रविवार - यह वार अत्यधिक शुभ है। सभी तरह के शुभ कार्यों की शुरूआत की जा सकती है।
उपाय - सूर्य को उच्च करने के लिए गुड़ और चावल जल में प्रवाहित करें। इस दिन गुड़ से पके चावल और दूध मिलाकर खाएं।

सोमवार - सभी कार्यों के लिए यह वार उपयुक्त है। शादी, नामकरण, गृह-निर्माण, विद्याध्ययन के लिए स्कूल, कालेज आदि में प्रवेश के लिए यह वार शुभ है।
उपाय - कुंडली में चंद्रमा नीच का है तो सफेद वस्त्र पहनें एवं श्वेत चंदन का तिलक करें।

मंगलवार - यह कुछ मायनों में शुभ है तो कुछ में अशुभ। इस वार को मकान क्रय-विक्रय ठीक है परन्तु नए वस्त्र पहनना एवं सिलवाना उपयुक्त नहीं है।
उपाय - कुंडली में मंगल नीच का हो या मंगली हो तो वह व्यक्ति इस वार को मसूर की दाल एवं मंगल की वस्तुएं स्वयं के लिए उपयोग न करे एवं रेवड़ियां पानी में बहाए।

बुधवार - इस दिन नए वस्त्र पहनने, गृह प्रवेश, पूर्व एवं पश्चिम की यात्रा में कोई व्यवधान नहीं।
उपाय - कुंडली में बुध नीच का हो तो साबुत मूंग न खाएं और हरे कपड़े न पहनें। घर के छत पर चौड़े पत्ते वाले पौधे, बांस के सामान, चक्की या चक्का के ऊपर का भाग नहीं रखें। मंगल की रात भिगोकर बुधवार को प्रातः मूंग जानवरों को खिलाएं।
जिस व्यक्ति का राहू नीच का हो वह नीले या काले-कपड़े इस दिन न पहने। जेब में हमेशा चांदी का चौकोर टुकड़ा डालकर रखें।

गुरुवार (बृहस्पतिवार) - इस वार को प्रारम्भ होने वाले कार्य सफल होते हैं। इस दिन की गई यात्रा सफलतादायक होती है।
उपाय - कुंडली में गुरु को उच्च बनाने के लिए ब्राह्मण को पीले वस्त्र दान करें। कढ़ी-चावल बांटें एवं स्वयं भी खाएं। जिस व्यक्ति का केतु नीच का हो वह केसर खाए। कानों में सोना डाले और पीले वस्त्र में बांधकर केले, गेहूं, गुड़ दान करें।

शुक्रवार - सभी प्रकार के कार्यों के लिए शुभ है। इस दिन सायंकाल में यात्रा करना शुभ होगा।
उपाय - कुंडली में नीच शुक्र वाला व्यक्ति गाय की सेवा करे। दही, लाल ज्वार मंदिर में चढ़ाए। सफेद रेशमी वस्त्रों का दान करे। आलू उबालकर पीले कर काली गाय को खिलाए।

शनिवार - इस वार को नए वस्त्र पहनना एवं सिलवाना उचित नहीं है। इस वार में नए कार्य आरम्भ न करें, न कोई यात्रा करें।
उपाय - कुंडली में शनि नीच का हो तो वह व्यक्ति शनिवार के दिन शराब, काले उड़द, मांस, अंडे आदि का उपयोग न करे। दान करे। शनिवार को काला कपड़ा दान करे तथा तेल के पकौड़े निकाल कर कौओं को खिलाए। राहू नीच का हो तो नीले या काले कपड़े इस दिन न पहनें। अपनी जेब में सदैव चांदी का चौकोर टुकड़ा रखे नारियल, बादाम को जल में प्रवाहित करे।

श्री हरि ने क्यों लिया था मोहिनी अवतार

श्रीहरि ने मोहिनी अवतार लिया था। उन्होंने यह अवतार तब लिया, जब समुद्र मंथन से अमृत निकला था। और देवताओं और दानवों में यह वितरित करना था। हालांकि मोहिनी अवतार में श्रीहरि ने छल से देवताओं को अमृत और दानवों को अन्य द्रव्य पिलाया था। पौराणिक मतानुसार दरअसल विष्णु जी के मोहनी रूप को ही अय्यप्पा की मां माना जाता है। श्रीहरि का मोहिनी रूप काफी आकर्षक था। उन्होंने यह रूप लोककल्याण के लिए लिया था। इस रूप में श्रीहरि एक बहुत सुंदर युवा स्त्री के रूप में प्रकट हुए थे। अग्नि पुराण 3.12 में वर्णित है कि अमृत वितरण के लिए श्रीहरि यानी विष्णु जी द्वारा मोहिनी रूप धारण किया गया। और इसी समय भगवान शिव मोहिनी रूप पर आसक्त होकर स्खलित हो गए थे। किंवदंती है कि जहां शिव स्खलित हुए वह स्थान गंगोत्री था। दरअसल यह तत्व ही अमुल्य पारद तत्व है। गंगाजल के कण-कण में पारद है। हिंदू शास्त्रानुसार यह पारद ही है जो संपूर्ण जगत के सृर्जन का मूलाधार है क्योंकि यह संसार आदि शक्ति के रज अर्थात गंधक और शिव की वीर्य अर्थात पारद से बना है।

मोहिनी एकादशी व्रत कथा

सरस्वती नदी के मनोरम किनारे पर भद्रावती नाम का सुन्दर क्षेत्र था। उस नगर में चन्द्रवंशी राजा धृतिमान राज्य करते थे। उसी नगर में एक समृद्ध वैश्य निवास करते थे उनका नाम धनपाल था। वह श्री हरि की भक्ति करते हुए सतकर्मों में ही अपना जीवन व्यतित करते। उनके पांच पुत्र थे - सुमना, धुतिमान, मेघावी, सुकृत तथा धृष्टबुद्धि। सबसे छोटा पुत्र धृष्टबुद्धि उनसे विपरित स्वभाव का था। वह पाप कर्मों में सदा लिप्त रहता। गलत कामों में पड़कर अपने पिता का नाम और धन बर्बाद करता। एक दिन उसके पिता कार्यवश कहीं जा रहे थे रास्ते में उन्होंने देखा धृष्टबुद्धि वेश्या के गले में बांह डाले घूम रहा था। पिता ने उसी पल उसका त्याग कर दिया और अपने से संबंध विच्छेद करते हुए उसे अपनी दौलत ज्यादाद से भी बेदखल कर दिया। सभी सगे-संबंधियों ने भी उससे सभी रिश्ते नाते समाप्त कर दिए। जब उसके पास धन नहीं रहा तो वैश्या ने उसे अपने घर से बाहर किया। वह भूख- प्यास से तड़पता हुआ ईधर-उधर भटकने लगा। अपना दुख-दर्द बांटने वाला उसके पास कोई न था। एक दिन भटकते-भटकते उसका पूर्वकाल का कोई पुण्य जागृत हुआ और वह महर्षि कौण्डिन्य के आश्रम में जा पहुंचा। वैशाख का महीना था। गर्मी जोरो पर थी कौण्डिन्य गंगा जी में स्नान करके आए थे। धृष्टबुद्धि कौण्डिन्य जी के समीप जाकर हाथ जोड़ कर खड़ा हो गया और बोला, ब्राह्मण देव कृपया करके मुझ पर दया करके किसी ऐसे व्रत के विषय बताएं जिसके पुण्य से मेरी मुक्ति हो जाए। कौण्डिन्य जी बोले, वैशाख माह के शुक्लपक्ष की एकादशी 'मोहिनी' नाम से विख्यात है। उस एकादशी का व्रत करो । इस व्रत के प्रभाव से तुम्हारे इस जन्म के ही नहीं अनेक जन्मों के महापाप भी नष्ट हो जाएंगे। मुनि के कहे अनुसार धृष्टबुद्धि ने 'मोहिनी एकादशी' का व्रत किया। व्रत के प्रभाव से वह निष्पाप हो कर दिव्य देह धारण कर गरुड़ पर आरुढ़ हो श्री हरि का प्रिय बनकर विष्णुलोक को चला गया। इस कथा को पढ़ने और सुनने से सहस्र गौ दान के समान फल प्राप्त होता है।

धरती पर क्यों आए भगवान शिव

हिमालय 'देवभूमि' है। सौंदर्य भरी वादियों से घिरे केदारनाथ की यात्रा स्वतः आनंद का स्रोत है। चहुं ओर मनोहारी दृश्य देख कर मन आनंद विभोर हो उठता है। शैव सम्प्रदाय में एवं शिवभक्तों में बैल की उभरी पीठ यानी गर्दन के बाद जो शिवलिंग के समान उठी हुई आकृति प्राकृतिक रूप से बन जाती है, के समान केदारनाथ में स्वरूप शिवपिंड की बड़ी मान्यता व विशेष महत्व है। अतः दर्शन पाने के लिए भक्त गण सब कुछ प्रसन्नता से सहने को तैयार रहते हैं। अब हरिद्वार व ऋषिकेश से सड़क मार्ग से जाने के लिए विभिन्न वाहन प्राप्त हैं। विभिन्न प्रमुख नगरों से रेल मार्ग से या सड़क मार्ग से हरिद्वार-ऋषिकेश जा सकते हैं।

केदारनाथ महादेव स्थान को महाभारत काल का भी बताया जाता है। इसके लिए एक कथा आती है। महाभारत युद्ध में विजयी होने के पश्चात पांडव भ्रात हत्या व अन्य हत्याओं से मुक्ति के लिए भगवान शिव शंकर का साक्षात आशीर्वाद चाहते थे पर शिव महादेव उनसे रुष्ट थे। पांडव उनके दर्शन पाने के लिए काशी (वाराणसी) गए पर उन्हें पा नहीं सके। तब वे शिव शंकर को ढूंढते हुए हिमालय पहुंचे पर अपने निश्चित स्थान से शिव अंर्तध्यान होकर केदार में आ बसे क्योंकि वे पांडवों को दर्शन देना नहीं चाहते थे। पांडव भी धुन के पक्के निकले। आस्था, श्रद्धा व लगनपूर्वक ढूंढते हुए केदार भी पहुंच गए। तब शिव ने बसाहा बैल का रूप धारण किया और अन्य पशुओं में जा मिले। पांडवों को शंका हो गई। तब भीमसेन ने अपना विशाल रूप धारण कर दो पर्वतों पर अपने पैर फैला लिए। सभी गोवंश उनके पैरों के नीचे से निकल गए पर शंकर रूपी बैल नीचे से नहीं निकले, तब भीम बलपूर्वक झपटे और बैल को कसकर पकड़ लिया, तब बैल भूमि में समाने लगा। तभी भीम ने बैल की त्रिकोणात्मक पीठ (महादेव शरीर) का हिस्सा पकड़ लिया और नहीं छोड़ा। तब भगवान शंकर ने पांडवों की श्रद्धा, भक्ति, आस्था से प्रसन्न होकर उन्हें प्रकटतः तत्काल दर्शन दिया और उन्हें पाप मुक्त कर दिया। उसी समय से भगवान शिव शंकर रूपी बैल की पीठ (महादेव) की आकृति का पिंड श्री केदारनाथ के नाम से पूजित हुआ।

शाम को पूजा करते वक्त बरतें सावधानी!

सुबह सूर्य की पहली किरण के साथ अधिकतर घरों में पूजा-पाठ आरंभ हो जाता है। धूप-दीप की सुगंध से वातावरण महक उठता है, शंख और घंटी की मधुर ध्वनी घर में सकारात्मकता का संचार करती है। दिन का आरंभ यदि देवी-देवताओं कि आराधना के साथ किया जाए तो सारा दिन सुख-शांति से व्यतित होता है। विद्वान कहते हैं कि सुबह के समय दैवीय शक्तियां बलवान होती हैं और शाम के समय आसुरी। भगवान को प्रसन्न करने के लिए सुबह पाठ-पूजा अवश्य करना चाहिएं। आसुरी शक्तियों के प्रभाव को खत्म करने के लिए सूर्य ढलने के बाद देव उपासना करनी चाहिए। अतः सुबह और शाम दोनों समय की गई प्रार्थना का अपना-अपना महत्व है। बदलते परिवेश के साथ लोगों को सुबह काम पर जाने की शीघ्रता के चलते इबादत करने का समय नहीं मिलता। ऐसे में वो शाम को पूजा करते हैं लेकिन इस दौरान बरतें सावधानी -

- तुलसी के पत्ते और गंगाजल कभी बासी नहीं होते। इसके अतिरिक्त किसी भी बासी सामग्री को उपयोग न करें।
- सूर्यास्त के उपरांत देवी-देवता विश्राम के लिए चले जाते हैं, शंख और घंटियां न बजाएं।
- सूर्य ढलने के बाद वनस्पति से छेड़-छाड़ नहीं करनी चाहिए। अतः पूजा के लिए जो भी फल-फूल और पत्ते चाहिए हों वह दिन के समय ही तोड़ कर रख लें।
- श्री हरि विष्णु और उनके किसी भी अवतार को तुलसी पत्र अर्पित किए बिना भोग नहीं लगता। भगवान उसे ग्रहण नहीं करते।
- भोर फटते ही सूर्य देवता अपना प्रकाश चारों ओर बिना किसी भेद-भाव के फैलाते हैं। दिन के समय इनकी पूजा करें रात को नहीं।
- रात को सोने से पहले मंदिर के आगे पर्दा करें ताकि भगवान के विश्राम में बाधा उत्पन्न न हो। मंदिर के कपाट एक बार बंद कर दें तो सुबह भोर फटते ही खोलें।

स्वर्ग जाने के लिए जब बुद्ध ने कहा मेरा गला काट दो

किसी राज्य में यज्ञ हेतु राजा एक बकरे की बलि चढ़ाने जा रहा था। उसी समय उधर से भगवान बुद्ध गुजर रहे थे। राजा को ऐसा करते देखकर वह राजा से बोले, ठहरो राजन! यह क्या कर रहे हो। इस बेजान बकरे को बलि की भेंट क्यों चढ़ा रहे हो। आखिर किसलिए।

राजा ने कहा, इसकी बलि चढ़ाने से मुझे बहुत पुण्य प्राप्त होगा और यह हमारी प्रथा भी है।

राजा की इस बात पर बुद्ध ने कहा, यदि ऐसी बात है तो मुझे भेंट चढ़ा दो। तुम्हें और ज्यादा पुण्य मिलेगा। बकरे के मुकाबले एक मनुष्य की बलि से तुम्हारे भगवान और खुश होंगे।

यह सुनकर राजा थोड़ा डरा क्योंकि बकरे की बलि चढ़ाने में कोई हर्ज नहीं था। बकरे की तरफ से बोलने वाला कोई होगा, ऐसा राजा सोच नहीं सकता था मगर बुद्ध की बलि चढ़ाने की बात मन में आते ही राजा कांप गया।

उसने कहा, अरे नहीं महाराज! आप ऐसी बात न करें। इस बारे में तो मैं सोच भी नहीं सकता। बकरे की बात अलग है। ऐसा तो सदियों से होता आया है और फिर इसमें किसी का नुक्सान भी तो नहीं। बकरे का भी फायदा ही है। वह सीधा स्वर्ग चला जाएगा।

बुद्ध बोले, यह तो बहुत ही अच्छा है, मैं स्वर्ग की तलाश कर रहा हूं, तुम मुझे बलि चढ़ा दो और मुझे स्वर्ग भेज दो या फिर ऐसा क्यों नहीं करते कि तुम अपने माता-पिता को ही स्वर्ग भेज दो तथा खुद को ही क्यों रोके हुए हो, जब स्वर्ग जाने की ऐसी सरल व सुगम तरकीब मिल गई है तो काट लो गर्दन। इस बेचारे बेजान बकरे को क्यों स्वर्ग में भेज रहे हो। यह शायद स्वर्ग में जाना भी न चाहता हो। बकरे को खुद ही चुनने दो कि उसे कहां जाना है।

राजा के सामने अपने तर्कों की पोल खुल चुकी थी। वह महात्मा बुद्ध के चरणों में झुक कर बोला, महाराज आपने मेरी आंखों पर पड़े अज्ञान के पर्दे को हटाकर मेरा जो उपकार किया है वह मैं भूल नहीं सकता।

छत्तीसगढ़ फतह के बाद डीएवी जांता के बेटियां दिल्ली में दिखाएंगे दम

डीएवी जांता के बालक बालिका रचेंगे दिल्ली में इतिहास

बेमेतरा। गर्व और उत्साह का माहौल उस समय चरम पर पहुंच गया जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वर्ल्ड कप 2025 का खिताब जीतकर देश का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया। इसी उमंग और प्रेरणा के बीच, डीएवी स्कूल जांता, बेमेतरा के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं ने भी अपने कठिन परिश्रम और अनुशासन से इतिहास रच दिया। अंडर 14, अंडर 17 व अंडर 19 तीनों स्तरों के बालक एवं बालिकाओं का चयन राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। डीएवी स्कूल जांता के खिलाड़ियों ने तैराकी, खो-खो और कबडडी जैसे खेलों में शानदार प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त किया है। डीएवी की बालिकाओं ने भी कबडडी में अपनी अदम्य शक्ति और आत्मविश्वास से परचम लहराया है। राष्ट्रीय स्तर दिल्ली के लिए चयन हुए हैं। डीएवी स्कूलों के खेल प्रतियोगिता को तीन स्तरों में संभाग स्तरीय (क्लस्टर लेवल), राज्य स्तरीय (जोनल लेवल) तथा राष्ट्रीय स्तरीय (नेशनल लेवल) पर आयोजित की जाती है। इस वर्ष छत्तीसगढ़ के 97 डीएवी विद्यालयों से लगभग 3400 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। अंडर 14 के लगभग 1000 प्रतिभागी डी ए वी हुडको भिलाई में अंडर 17 के लगभग 1200 प्रतिभागी जगदलपुर, बस्तर में एवं अंडर 19 के लगभग 1200 प्रतिभागी बिलासपुर में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय खेल महोत्सव में शामिल हुए। तीनों स्तरों के विजेताओं को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चुना गया है,जो 22, 23 और 24 नवम्बर को दिल्ली में आयोजित होगी। संस्थान के प्राचार्य पी. एल. जायसवाल ने बताया कि डीएवी स्पोर्ट्स को भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन संगठन के रूप में मान्यता प्राप्त है। साथ ही यह स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया से भी संबद्ध है। उन्होंने कहा डीएवी संस्थान केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में निरंतर अग्रसर है। हमारे खिलाड़ी 'खेलो, सीखो और दुनिया में नाम रोशन करो' की भावना को साकार कर रहे हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ डीएवी संस्था प्रमुख एवं क्षेत्रीय अधिकारी प्रशांत कुमार, स्कूल प्रबंधक एवं सहायक क्षेत्रीय अधिकारी सी जी जोन डी डॉ. बी.पी. साहू, डीएवी जांता प्राचार्य पी एल जायसवाल तथा सभी शिक्षकों व अभिभावकों ने खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी और राष्ट्रीय स्तर पर अधिकतम पदक जीतने की शुभकामनाएँ दीं।

विधायक दीपेश साहू ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से की मुलाकात, बेमेतरा के विकास कार्यों पर हुई अहम चर्चा

बेमेतरा। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपेश साहू ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने रजत जयंती राज्योत्सव के सफल आयोजन पर मुख्यमंत्री को बधाई दी और प्रदेश की प्रगति में उनके नेतृत्व की सराहना की। विधायक साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति ऐतिहासिक रही और उनके मार्गदर्शन में प्रदेश को अनेक महत्वपूर्ण विकास सौगातें प्राप्त हुई हैं। यह अवसर राज्य की 25 वर्ष की उपलब्धियों के साथ आने वाले 25 वर्षों के विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को समर्पित रहा। मुलाकात के दौरान विधायक साहू ने बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र से संबंधित प्रमुख विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। इनमें सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, शहरी एवं ग्रामीण आधारभूत संरचना के साथ अमोरा बैराज, विद्युत सब-स्टेशनों की स्थापना तथा अन्य विकास परियोजनाओं को शीघ्र गति देने का आग्रह किया गया। मुख्यमंत्री ने इन सभी विषयों पर सकारात्मक आश्वासन देते हुए बेमेतरा में विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने का विश्वास दिलाया। विधायक दीपेश साहू ने कहा कि बेमेतरा सहित पूरे प्रदेश में विकास की रफ्तार तेज है और आने वाले समय में यह और सशक्त होगी। उन्होंने कहा– छत्तीसगढ़ और बेमेतरा की विकास यात्रा निरंतर प्रगति पथ पर है, नया उत्साह, नए संकल्प और नई ऊँचाइयों की ओर।

राज्योत्सव के समापन दिवस पर स्टार नाइट, पं.विवेक शर्मा और साथियों की प्रस्तुति में गूंजेंगे छत्तीसगढ़ी गीत

कवर्धा। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव रजत जयंती समारोह का तीसरा और अंतिम दिन कवर्धा के लिए एक यादगार सांस्कृतिक संध्या लेकर आ रहा है। उपमुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा के मार्गदर्शन में तीन दिवसीय राज्योत्सव का अयोजन किया जा रहा है। जिला मुख्यालय स्थित पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित होने जा रही प्रसिद्ध गायक पं.विवेक शर्मा की स्टार नाइट पूरे कबीरधाम जिले को छत्तीसगढ़ी संगीत की मस्ती में सराबोर कर देगी। इस भव्य आयोजन में पं.विवेक शर्मा एवं उनके साथी कलाकार अपनी सुरमयी प्रस्तुतियों से राज्योत्सव की अंतिम शाम को एक अविस्मरणीय अनुभव में बदल देंगे। छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, परंपरा और माटी की महक से ओतप्रोत उनके गीत न केवल श्रोताओं का मनोरंजन करेंगे, बल्कि हर दर्शक के हृदय में छत्तीसगढ़ की अस्मिता के प्रति गर्व भी जगाएँगे। कार्यक्रम के दौरान पं. विवेक शर्मा द्वारा मोर छत्तीसगढ़ महतारी तोला बारम-बार प्रणाम हे, बैला के घाघर, मोला बेटा कहिके बुलाए वो जैसे लोकप्रिय छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। इन गीतों की धुन और बोल दर्शकों को अपनी संस्कृति और लोकधरोहर से जोड़ देंगे। राज्योत्सव के अंतिम दिन के इस स्टार नाइट आयोजन के लिए पूरे जिले में उत्साह का वातावरण है। शहर के नागरिक, कलाकार और संगीत प्रेमी बड़ी संख्या में इस आयोजन में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। पूरा परिसर रंगीन रोशनी, छत्तीसगढ़ी सजावट और सांस्कृतिक माहौल से सुसज्जित किया गया है। तीन दिवसीय राज्योत्सव के पहले दो दिनों में जहां लोककला, हस्तशिल्प, पारंपरिक लोकनृत्यों ने दर्शकों को बांधे रखा, वहीं अंतिम दिन की यह संध्या समापन को और भी भव्य बनाने जा रही है। आज की शाम लोकधुनों, आल्हादित तालियों और रोशनी के बीच जब मोर छत्तीसगढ़ महतारी... जैसे गीत मैदान में गूंजेंगे, तो पूरा कवर्धा लोकगर्व और आनंद के भाव से झूम उठेगा। राज्योत्सव का यह समापन समारोह छत्तीसगढ़ की संस्कृति, प्रकृति और परंपरा के संगम को साकार करेगा और आने वाले वर्षों तक लोगों के मन में यादों की तरह बसा रहेगा।

ग्राम भेडी के प्राथमिक स्कूल में चोरी के आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

दल्लीराजहरा। डौण्डीलोहारा थाना निरीक्षक मुकेश सिंह एवं स्टाफ के द्वारा ग्राम भेडी के प्राथमिक स्कूल में चोरी के मामले में बारिकी से विवेचना कर आरोपियों को पकडा गया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी धमेन्द्र देशमुख सहायक शिक्षक प्राथमिक शाला ग्राम भेडी द्वारा 03 नवम्बर को थाना आकर जबानी रिपोर्ट दर्ज कराया कि 02 नवम्बर की सुबह लगभग 06.30 बजे अज्ञात चोर के द्वारा प्राथमिक स्कूल ग्राम भेडी के ऑफिस एवं अध्यापन कमरे का ताला तोडकर कमरे अन्दर प्रवेश कर एक नग इण्डेक्शन, माईक सेट बॉक्स एवं स्मार्ट टीवी कीमती लगभग 19640 रूपये को चोरी कर ले गया है। इस रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 144/2025 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की विवेचना दौरान आरोपियों की पतासाजी कर घटना कारित करने वाले आरोपी विजय कुमार ठाकुर पिता स्व. भागी राम ठाकुर उम्र 31 साल साकिन भेड़ी थाना डौण्डी लोहारा जिला बालोद दुष्यंत कुमार उर्फ दिषु सुधाकर पिता ढालसिंह सुधाकर उम्र 25 साल ग्राम भेड़ी थाना डौण्डी लोहारा जिला बालोद(छ.ग.) हाल- आर्य नगर कोहका भिलाई थाना स्मृति नगर जिला दुर्ग को बारिकी से पूछताछ किया गया, चोरी की घटना करना स्वीकार किये। प्रकरण में आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड भर जेल भेजा गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक मुकेश सिंह, सहायक उपनिरीक्षक रूमन सोनवानी, प्र.आर. दिगम्बर वर्मा, प्रधान आरक्षक लिलेश्वरी देवांगन, आरक्षक विनोद अजय, रवि देशलहरे, भीष्म पिस्दा का योगदान रहा।

महंगी बिजली दरों के विरोध में आम आदमी पार्टी का प्रदेशव्यापी धरना

कहा-पानी हमारा, कोयला हमारा, जमीन हमारी, उत्पादन हमारा, तो बिजली महंगी क्यों?

खैरागढ़। प्रदेश में बढ़ती बिजली दरों के खिलाफ आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ ने आज प्रदेशभर में एक साथ धरना प्रदर्शन किया। इसी कड़ी में खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के बस स्टैंड खैरागढ़ में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ नारे लगाए और जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार जनता की परेशानी को पूरी तरह नजरअंदाज कर रही है। जनता पहले से ही अनाप-शनाप बिजली बिलों से त्रस्त है और अब महंगी बिजली दरें बढ़ाकर सरकार ने जनता पर आर्थिक बोझ डाल दिया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ एक बिजली सरप्लस राज्य है, फिर भी आम जनता को सस्ती बिजली नहीं मिल रही, यह समझ से परे है। मनोज गुप्ता ने आरोप लगाया कि– सरकार वितरण कंपनी के घाटे का बहाना बनाकर गलत डाटा पेश कर रही है। यह भ्रष्टाचार का मामला है। निजी उद्योगपतियों से बिजली खरीदकर सरकार उन्हें फायदा पहुँचा रही है, जबकि जनता को लूट रही है। पानी हमारा, कोयला हमारा, जमीन हमारी, उत्पादन हमारा – तो बिजली महंगी क्यों? उन्होंने आगे कहा कि सरकार लाइन लॉस 15-20 प्रतिशत बताकर झूठ बोल रही है, जबकि वास्तविक लाइन लॉस 3 प्रतिशत से अधिक नहीं है। बड़े व्यापारियों और नेताओं के करोड़ों के बिजली बिल बकाया हैं, पर सरकार उनसे वसूली नहीं कर गरीबों को परेशान कर रही है। पार्टी नेताओं ने कहा कि हर महीने बिजली बिल में ऊर्जा प्रभार के साथ कई गैरजरूरी शुल्क जोड़े जा रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। आम आदमी पार्टी ने कहा कि वह पहले भी 3 जुलाई 2025 को सरकार को ज्ञापन दे चुकी है, लेकिन मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। पार्टी ने चेतावनी दी कि अगर सरकार बढ़ी हुई बिजली दरों को तुरंत वापस नहीं लेती है, तो आम आदमी पार्टी आने वाले दिनों में पूरे प्रदेश में इससे भी बड़ा आंदोलन करेगी। धरना प्रदर्शन में जिला महासचिव श्याम मूर्ति नायडू, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष चित्र गुरुदेव, अजय सिंह, संतोष यादव, जितेंद्र सोनी, धनराज साहू, राजेश मरकंडे, अज्जू बंजारे, निलेश सोनी, संदीप जंघेल और तीजेराम वर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बे–मौसम बारिश से फसलों का भारी नुकसान

हजारों किसान धान की बालियां लेकर पहुंचे कलेक्ट्रेट, मुआवजा और बीमा राशि की मांग

खैरागढ़। जिले में हुई बे-मौसम बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। फसलों के भारी नुकसान से आक्रोशित हजारों किसान आज जिले के सैकड़ों गांवों से धान की बालियां लेकर खैरागढ़ जिला मुख्यालय पहुंचे। विधायक यशोदा वर्मा के नेतृत्व में किसानों ने कलेक्ट्रेट परिसर के सामने जोरदार प्रदर्शन किया और फसल नुकसान का सर्वे कराकर तत्काल मुआवजा एवं बीमा राशि जारी करने की मांग की। करीब एक घंटे तक चले विरोध प्रदर्शन के चलते कलेक्ट्रेट के सामने मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति बन गई। किसानों ने कहा कि हाल की बारिश ने उनकी मेहनत और पूरी फसल को बर्बाद कर दिया। कई किसानों की कटी हुई फसलें सड़ गईं, जबकि खड़ी फसलें गिरकर खराब हो गईं। प्रदर्शन में शामिल किसानों ने कहा– हमारी फसलें अब न बेचने लायक रहीं, न खाने लायक। प्रशासन को खेतों में जाकर वास्तविक स्थिति का सर्वे करना चाहिए। हम अपने खेतों से खराब धान की बालियां लेकर आए हैं ताकि सच्चाई प्रशासन देख सके। जब तक नुकसान का सही आकलन कर मुआवजा और बीमा राशि नहीं दी जाती, तब तक किसान चैन से नहीं बैठेंगे। किसानों का कहना था कि इस बार उन्हें पर्याप्त मात्रा में खाद भी नहीं मिल पाया, जिससे फसल उत्पादन पहले ही प्रभावित हुआ था। अब बारिश ने रही-सही उम्मीद भी खत्म कर दी। अधिकांश किसान कर्ज में डूबे हैं और राहत के इंतजार में हैं। प्रदर्शन के बाद किसानों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा और चेतावनी दी कि अगर शीघ्र सर्वे कर मुआवजा नहीं दिया गया तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। इस मौके पर विधायक यशोदा वर्मा, मनराखन देवांगन, अरुण भारद्वाज, नदीम मेमन, और नीलांबर वर्मा सहित कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहे और किसानों की मांगों का समर्थन किया।

सहस्त्रबाहु जयंती में शिरकत करेंगे विधायक

डोंगरगांव नगर। अंचल के ग्राम पुर्रामटोला में बुधवार को भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन देव जयंती समारोह का एक दिवसीय आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि विधायक भोलाराम साहू होंगे। अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष संजय सिन्हा करेंगे। विशिष्ट अतिथि प्रांतीय संरक्षक दीपक सिन्हा, जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिन्हा, चंद्रिका प्रसाद डड़सेना सहित अन्य होंगे। आयोजकों ने बताया कि ग्राम के स्वाजातियों के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। पश्चात् 11 बजे महिलाओं का कुर्सी दौड़, मटका फोड़ प्रतियोगिता, दोपहर 1 बजे से अतिथियों का स्वागत, सम्मान व उदबोधन पश्चात् प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। तहसील सचिव नारायण सिन्हा ने उक्त जानकारी देते हुए स्वजातियों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की है।

दुर्ग.गुरु नानक देव जी के 556 वें प्रकाश पर्व पर रौशनी से जगमगाता गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा।

दुर्ग.कार्तिक पूर्णिमा पर शिवनाथ नदी पर पूजा अर्चना कर श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की आराधना की। (फोटोः नाहीद शेख)

खतरे से खेल, जान की परवाह नहीं

दुर्ग के महमरा गांव जाने वाले शिवनाथ नदी के एनीकेट से पानी की तेज धार बहने के बावजूद लोग बेखौफहोकर नहा रहे हैं। यह तस्वीर लोगों की घोर लापरवाही को साफबयां करती है, जबकि प्रशासन ने इस रास्ते पर आवागमन प्रतिबंधित कर रखा है। बुधवार को सामने आई यह स्थिति किसी भी वक्त बड़े हादसे का कारण बन सकती है।÷

(फोटोः नाहीद शेख)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com